11 जनवरी 2025
शनिवार
केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

तेजस्वी बोले... आरसीपी टैक्स के बाद अब वसूला जा रहा डीके टैक्स

2

बिहार में बढ़ा 500 रुपए के जाली नोटों का चलन, पुलिस मुख्यालय ने कहा- सतर्क रहें

जाली नोट तस्करों ने बढ़ाया सिरदर्द

केटी न्यूज/पटना

बिहार के बाजारों में इन दिनों पांच सौ रुपए के जाली नोटों का चलन धड़ल्ले से हो रहा है। जाली नोटों के तस्कर नकली नोटों को बाजार में पाट लोगों को चूना लगा रहे हैं। पांच सौ रुपये के जाली नोटों के भारी मात्रा में चलन में आने के पुख्ता सबूत मिलने के बाद पटना पुलिस मुख्यालय के कान खड़े हो गए हैं।

बिहार पुलिस मुख्यालय

सेवा में,
सभी जिला पदाधिकारी, बिहार।
सभी वरीय पुलिस अधीक्षक, बिहार।
सभी पुलिस अधीक्षक, बिहार।
सभी रेल पुलिस अधीक्षक, बिहार।

सूचनार्थ- सभी क्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक, बिहार।
सभी क्षेत्रीय पुलिस उप-महानिरीक्षक, बिहार।

पटना, दिनांक - 08.01.2025

पुलिस महानिरीक्षक,
विशेष शाखा, बिहार, पटना।

पुलिस मुख्यालय ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं और साथ ही आम लोगों लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। बिहार प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने सभी रेंज के आईजी, डीआईजी और सभी जिलों के डीएम, एसएसपी और एसपी को विशेष जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। वहीं दुकानदारों और आम जनता को गंभीरता समझाने का भी आदेश दिया है। पुलिस मुख्यालय ने जनता से आग्रह किया है कि पांच सौ रुपये का नोट लेने से पहले उसे अच्छी तरह से जांच व परख लें। असली और नकली नोट में बताए गए अंतर को जांचने के बाद ही 500 रुपये का नोट स्वीकार करें। साथ ही, अन्य लोगों को भी इस बारे में जागरूक करें। प्रशासन का अनुमान है कि बड़े पैमाने पर तस्करों ने नकली नोट को बाजार में उतार दिया है। पूरे बिहार में इसे फैलाने की संभावना है। खासकर मकर संक्रांति को लेकर लोग खरीदारी करने वाले हैं। ऐसे में लोगों को सर्तकता बरतने की जरूरत है।

एसपी शुभम आर्य बोले- पुलिस मुख्यालय से आया है पत्र

बक्सर एसपी शुभम आर्य ने बताया कि बिहार पुलिस मुख्यालय से पत्र आया हुआ है। जिसको लेकर जिले के सभी थानाध्यक्षों को इसकी सूचना दे दी गयी है। उन्हें हाई अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। एसपी आर्य ने बताया कि 500 रुपये के जाली नोट के पीछे, रिजर्व बैंक के उल्लेख में ₹E₹ की जगह ₹A₹ लिखा हुआ है। जबकि असली नोट में यह ₹E₹ होता है। इस अंतर से 500 रुपये के असली और नकली नोट की पहचान की जा सकती है। उन लोगो को निर्देश दिया गया है कि जैसे ही इसकी सूचना मिले। तुरंत कार्रवाई करें।

असली और नकली नोट में ऐसे पता करें अंतर

पुलिस मुख्यालय ने जाली नोट का एक नमूना सार्वजनिक किया है, जिससे असली और नकली नोटों में अंतर स्पष्ट हो सके। 500 रुपये के जाली नोट के पीछे, रिजर्व बैंक के उल्लेख में ₹E₹ की जगह ₹A₹ लिखा हुआ है। जबकि असली नोट में यह ₹E₹ होता है। RBI के मुताबिक, ओरिजिनल 500 रुपये के नोट की आधिकारिक साइज 66 मिमी X 150 मिमी होता है। नोट पर देवनागरी में मूल्यवर्ग अंक ५00 लिखा होना चाहिए। नोट में महात्मा गांधी का चित्र केंद्र में होना चाहिए। माइक्रो लेटर्स भारत और इंडिया होंगे। भारत और 'RBI' शिलालेखों के साथ कलर शिफ्ट विंडो वाली सिक्योरिटी थ्रेट। 500 के नोट को झुकाने पर धागे का रंग हरे से नीला हो जाता है। गारंटी क्लॉज, प्रॉमिस क्लॉज के साथ गवर्नर के हस्ताक्षर और महात्मा गांधी के चित्र के दाईं ओर RBI का प्रतीक है। नोट पर महात्मा गांधी का चित्र और इलेक्ट्रोटाइप (500) वॉटरमार्क है। नोट के दाहिनी ओर अशोक स्तंभ का प्रतीक है। 500 के नोट के बाईं ओर नोट की छपाई का वर्ष है। नोट पर स्वच्छ भारत लोगो स्लोगन है।

खबरें फटाफट

प्रेमानंद महाराज से मिले विराट कोहली और अनुष्का शर्मा

नई दिल्ली। टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा कुछ खास नहीं रहा। टीम इंडिया को बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। विराट कोहली भारत लौटने के बाद प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे। उनके साथ वाइफ अनुष्का शर्मा भी मौजूद रहीं। कोहली इससे पहले भी प्रेमानंज महाराज से मुलाकात कर चुके हैं। अनुष्का ने इस दौरान प्रेमानंद महाराज से बहुत ही खास चीज मांग ली। कोहली और उनकी वाइफ अनुष्का बच्चों के साथ प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंची। इस दौरान अनुष्का ने प्रेमानंद महाराज से कहा, पिछली बार जब हम आए थे तो मन में सवाल थे। लेकिन जो लोग बैठे थे तो वे सभी उसी तरह के सवाल पूछ रहे थे। इस बार भी जब हम यहां आने के बारे में बात कर रहे थे तो मैं मन ही मन आपसे बात कर रही थी। आप मुझे बस प्रेम भक्ति दे दीजिए। विराट कोहली शादी से पहले भगवान में कम आस्था रखते थे। लेकिन अनुष्का से शादी के बाद वे बदल गए। विराट प्रेमानंद महाराज से पहले भी मिल चुके हैं। वे वाइफ अनुष्का के साथ कैंची धाम भी जा चुके हैं। कोहली अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तैयारी में जुटेंगे।

सीएम नीतीश कैबिनेट की बैठक में 55 प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

पटना में बनेगा क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ऑफिसर्स आवास के लिए 246 करोड़ मंजूर

- पटना के दीघा घाट क्षेत्र में जेवियर यूनिवर्सिटी के निर्माण को स्वीकृति
- हर घर नल का जल निश्चय के तहत 16124 पंचायतों में जलापूर्ति योजना के निर्माण कार्य के लिए 3611 करोड रुपए की मंजूरी

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को नए साल की पहली कैबिनेट बैठक में 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में पटना में क्षेत्रीय पासपोर्ट ऑफिस बनाने के लिए 1.46 एकड़ जमीन विदेश मंत्रालय को निःशुल्क ट्रांसफर करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई। बैठक में कुल 55 एजेंडों पर मुहर लगी। कैबिनेट की बैठक में पटना के दीघा घाट क्षेत्र में जेवियर यूनिवर्सिटी के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस यूनिवर्सिटी के बनने के बाद राज्य में शिक्षा व्यवस्था और भी सुदृढ़ होगी और अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं इस यूनिवर्सिटी का लाभ ले सकेंगे।

प्रगति यात्रा के लिए 21 प्रस्तावों को मिली स्वीकृति: कैबिनेट की बैठक में प्रगति यात्रा के लिए 21 प्रस्तावों को मंजूरी मिली। यह निर्णय प्रगति यात्रा को और प्रभावी बनाने और राज्य के विकास को तेज गति देने के लिए लिया गया है। प्रगति यात्रा का मुख्य उद्देश्य राज्य के हर कोने में पहुंचकर वहां के नागरिकों की वास्तविक स्थिति को समझना और सरकार की योजनाओं का प्रभाव देखना है।

विमानपत्तन परियोजना को स्वीकृति: बैठक में पटना एयरपोर्ट के विकास के लिए 21 एकड़ जमीन को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को निःशुल्क हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। हर घर नल का जल निश्चय के तहत 16124 पंचायतों में जलापूर्ति योजना के निर्माण कार्य के लिए 3611 करोड रुपए की मंजूरी, मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना के तहत इनका कार्यान्वयन होगा।

गन्ने के खरीद मूल्य में 10 रुपए प्रति क्विंटल की दर से बढ़ोतरी

पटना में बेली रोड स्थित 60 सेट ऑफिसर्स आवास के लिए 246 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। वहीं भोजपुर के पीरो अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय में कोर्ट भवन, हाजत भवन और अन्य निर्माण कार्य के लिए 34 करोड़ से अधिक राशि की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। हवाई सेवाओं के विस्तार को लेकर रक्सौल हवाई अड्डे की विकास के लिए 207 करोड रुपए की मंजूरी दी गई है। वहीं दरभंगा हवाई जहाज को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाए जाने को लेकर 244 करोड रुपए की मंजूरी दी गई है जिसे भूमि अधिग्रहण पर खर्च किया जाएगा। किसानों को राहत देते हुए गन्ने के खरीद मूल्य में 10रुपए प्रति क्विंटल की दर से बढ़ोतरी की गई है। अनुसूचित जाति जनजाति कल्याण विभाग के अंतर्गत अंबेडकर आवासीय विद्यालय बनाए जाने को पांच जिलों में मंजूरी दी गई है। सड़क सुरक्षा निधि से 26 जिलों के 72 प्रमुख चौक चौराहा पर ऑटोमेटेड चालान काटने के लिए सीसीटीवी लगेंगे, इस योजना पर 35 करोड रुपए खर्च होंगे।

मां मुंडेश्वरी धाम में रज्जू मार्ग के निर्माण का रास्ता साफ

कैमूर जिला अंतर्गत पौरा पहाड़ी पर स्थित मां मुंडेश्वरी धाम में आकाशीय रज्जू मार्ग के निर्माण के लिए 6.46 एकड़ जमीन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को हस्तांतरित की गई है। जल संसाधन विभाग के तहत दोन शाखा नहर के 93 किमी तक सेवापथ का पुर्नस्थापन कार्य के लिए के 7800 लाख का बजट स्वीकृत किया गया है। बिहार पुलिस के सिपाही हवलदार और सहायक अवर निरीक्षक की तरह ही बिहार अग्निशमन सेवा के कर्मियों को वेतनमान का लाभ 21 जनवरी 2010 से वास्तविक लाभ स्वीकृत किया गया है। 246 प्रखंडों में पुराने कार्यालय भवन का होगा नव निर्माण जबकि 62 भवनहीन प्रखंडों में नए प्रखंड से अंचल कार्यालय और आवासीय परिसर का होगा निर्माण , इस पूरी योजना पर 59 अरब 94 करोड रुपए खर्च होंगे। वहीं राज्य के 422 प्रखंड जहां 15 वर्षों से अधिक पुराने वाहन रद्दीकरण के योग्य हैं। वहां जेम पोर्टल से वाहन खरीद के लिए 59 करोड रुपए की मंजूरी दी गई है।

मेरठ में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की बर्बर हत्या

परिवार के लोगों ने ही दिया है घटना को अंजाम

एजेंसी/मेरठ

उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक परिवार के पांच सदस्यों की बर्बर हत्या कर दी गई है। मृतकों में मोईन, उसकी पत्नी आसमा और उनकी तीन बेटियां अक्शा (8), अजीजा (4) और अलईफ्शा (1) की नृशंस हत्या परिवार के लोगों ने ही की है। मोईन के दो सौतेले भाई नईम, तसलीम और भाभी नजराना के खिलाफ पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। तसलीम व नजराना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी बताए जाने वाला नईम फरार है। मोईन, जो एक राज मिस्त्री का काम करता था, मेरठ के थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र स्थित सुहैल गार्डर कॉलोनी में एक छोटे घर में किराए पर रहता था। इस घर से पांच शव बरामद हुए हैं। इस हत्याकांड ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है।

एसएसपी मेरठ विपिन टाडा ने मीडिया को बताया कि दो दिन से ये परिवार किसी के संपर्क में नहीं था। पड़ोसियों ने बुधवार से किसी को बाहर नहीं देखा था। मोईन के भाई और रिश्तेदार उसे फोन कर रहे थे, जिस पर संपर्क नहीं हो पा रहा था। गुरुवार रात लगभग 9 बजे मोईन के रिश्तेदार और भाई उसके घर पहुंचे तो बाहर ताला लगा देखा। इन लोगो को कुछ शक हुआ तो इन्होंने छत पर चढ़ कर अंदर झांक कर देखा, जहां सारा सामान बिखरा पड़ा था और किसी अनहोनी की तरफ इशारा कर रहा था.। इन लोगो ने पड़ोसियों की मदद से घर का ताला तोड़ा तो अंदर पूरे परिवार के शव मिले।

सभी शवों को कपड़े और प्लास्टिक से बांधकर छुपाया गया था। मोईन का शव कमरे में गठरी में पड़ा था, जबकि बाकी चार शव बेड के बॉक्स में छिपाए गए थे। सभी की हत्या भारी हथियार से मारकर की गई थी। पुलिस को संदेह है कि यह काम किसी परिचित व्यक्ति का हो सकता है और रंजिश का मामला हो सकता है। घटनास्थल के आसपास का क्षेत्र सील कर दिया गया है, जहां फोरेंसिक टीम अपनी जांच कर रही है। इसके अलावा, डॉग स्क्वॉड की भी सहायता ली जा रही है।

राजद विधायक के ठिकानों पर ईडी का छापा

एजेंसी/पटना

पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व रेल मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के करीबी और उनकी पार्टी के विधायक आलोक मेहता के 16 ठिकाने पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापेमारी की है। ईडी की अलग-अलग टीम पूर्व मंत्री आलोक मेहता के पटना, समस्तीपुर, वैशाली, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के 16 ठिकानों पर पहुंची है। आलोक मेहता पर बैंक लोन से जुड़े मामलों में गड़बड़ी करने का आरोप लगा है।

मामला वैशाली कोऑपरेटिव बैंक से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि इसमें करोड़ों रुपए के हेरफेर को लेकर जांच चल रही है। जानकारी

के अनुसार, वित्तीय अनियमितताओं और धोखाधड़ी के आरोपों के तहत ईडी ने यह कार्रवाई की है। ईडी ने पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता के पटना, वैशाली, समस्तीपुर से लेकर कोलकाता, वाराणसी और दिल्ली के ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी ने पटना में राजद विधायक के सरकारी और निजी आवास पर भी छापेमारी की है।

बताया जा रहा है कि आलोक मेहता पहले को-ऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन खुद बने थे। जब वह बिहार सरकार के मंत्री बन गये तो उनके पिता चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालने लगे। मंत्री बनने से पहले आलोक मेहता लगभग 20 साल तक इस बैंक के चेयरमैन रहे थे। सूत्रों ने बताया कि खुलासा हुआ है कि लिच्छवि कोल्ड स्टोरेज प्रा. लि और महुआ को-ऑपरेटिव कोल्ड स्टोरेज नाम की दो कंपनियों ने बैंक के करीब 60 करोड़ का गबन किया था। आलोक मेहता हर बार महागठबंधन सरकार में मंत्री रहे हैं और हर बार उन्हें राजद ने मजबूत विभाग दिए थे। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग लंबे समय तक आलोक मेहता के पास रहा था।

11 महीने पहले लिव इन पार्टनर की हत्या कर फ्रिज में रख दिया था शव

एजेंसी/देवास

मध्य प्रदेश के देवास जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। लिव इन में रह रहे पार्टनर ने अपने साथी के साथ मिलकर महिला की गला घोंटकर 11 महीने पहले हत्या की और शव फ्रिज में छिपा दिया। इतने महीनों तक शव रखा रहा, पर जब आसपास बदबू फैलने लगी तक पुलिस तक मामला पहुंचा और दिल दहला देने वाले मामले से पर्दा उठ सका। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को देवास पुलिस को सूचना मिली कि वृंदावन धाम कॉलोनी में एक घर से तेज बदबू आ रही है। पुलिस ने घर की जांच की तो फ्रिज से बदबू आने का अंदेशा हुआ, अंदर देखा कि फ्रिज में लाश पड़ी है।

जांच में पता चला कि महिला संजय पाटीदार के साथ लिव इन रिलेशन में रहती थी। उसकी पहचान पिंकी उर्फ प्रतिभा के रूप में की गई। पुलिस ने आरोपी संजय को भी उज्जैन से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने बताया कि वह पिंकी उर्फ प्रतिभा प्रजापति के साथ करीब पांच साल से लिव इन रिलेशनशिप में था। वह शादी का दबाव बना रही थी और इसे लेकर विवाद करती थी। इसी विवाद में 11 महीने पहले पिंकी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी।

तीसरी कक्षा की छात्रा की हार्ट अटैक से मौत

एजेंसी/अहमदाबाद

अहमदाबाद के एक स्कूल में तीसरी कक्षा की एक 8 साल की बच्ची की अचानक मौत हो गई, जिससे स्कूल में हड़कंप मच गया। घटना स्कूल की लॉबी में हुई, जहां बच्ची सुबह स्कूल पहुंची और कुछ ही समय बाद उसे सांस लेने में तकलीफ महसूस होने लगी। इसके बाद बच्ची पास की बेंच पर बैठ गई और अचानक कोलैप्स हो गई। स्कूल प्रशासन ने तत्परता से सीपीआर दिया और एम्बुलेंस को कॉल करके उसे नजदीकी अस्पताल भेजा, लेकिन अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना अहमदाबाद के जेबर स्कूल की है।

स्कूल की प्रिंसिपल, शर्मिष्ठा सिन्हा ने बताया कि बच्ची को स्कूल आते वक्त कोई शारीरिक समस्या नहीं थी। वह सामान्य तरीके से अपनी क्लास की ओर बढ़ रही थी, लेकिन अचानक उसे सांस लेने में समस्या महसूस हुई। इसके बाद बच्ची पास की बेंच पर बैठ गई और कुछ समय बाद वह कोलैप्स हो गई। स्कूल प्रशासन ने तत्काल

सीपीआर दिया और एम्बुलेंस को अस्पताल भेजने का आदेश दिया।

बच्ची अहमदाबाद में अपने दादा-दादी के साथ रहती थी, जबकि उसके माता-पिता मुंबई में रहते हैं। जैसे ही बच्ची की हालत बिगड़ी, उसके माता-पिता मुंबई से अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए। शुरूआती जांच के अनुसार, उसकी मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया जा रहा है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाने का फैसला लिया है ताकि मौत के सही कारणों का पता चल सके।

महाकुंभ नगर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बोले...

महाकुंभ में मुसलमानों का स्वागत है, लेकिन मानसिकता सही रखें

एजेंसी/प्रयागराज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मानवता के सबसे बड़े समागम महाकुंभ में मुसलमानों का स्वागत है, लेकिन गलत मानसिकता से आने वालों की डेंटिंग-पेंटिंग भी होगी। महाकुंभ नगर में शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ सनातन परंपरा और आस्था का महापर्व है। वर्षों पहले दबाव में आकर बहुत से लोगों ने उपासना पद्धति बदल ली लेकिन उनकी आज भी सनातन परंपरा में आस्था है। ऐसे लोगों का महाकुंभ में स्वागत है और वे संगम में आस्था की डुबकी लगाएं। हालांकि,

दूसरी मानसिकता से कोई आया तो उसकी डेंटिंग-पेंटिंग भी होगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद बोलने से बचें, यह इस्लाम के भी खिलाफ है। पूर्व सांसद व स्वतंत्रता सेनानी कमला बहुगुणा जोशी की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर मुख्यमंत्री ने भूमाफिया को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि देर-सबेर उन्हें जमीन छोड़नी ही पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि भूमाफिया ने प्रयागराज में सैकड़ों एकड़ भूमि कब्जाई है, उसे खाली करना ही पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने मुसलिम नेताओं के अलग-अलग बयानों के परिपेक्ष्य में कहा कि वक्फ बोर्ड को भूमाफिया बोर्ड न बनाएं। एक अन्य कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल पर भी हमलावर रहे। उन्होंने कहा दिल्ली पर जितना अधिकार केजरीवाल का है उतना ही अन्य राज्यों से आए लोगों का भी है।

महाकुंभ की तैयारियों को परखा और इन्हें अंतिम रूप दिया

चुस्त रहे व्यवस्था, सुरक्षा में न हो चूक: मुख्यमंत्री ने महाकुंभ की तैयारियों को परखा और इन्हें अंतिम रूप दिया। उन्होंने अफसरों से कहा कि सभी तरह की व्यवस्था लागू हो। संतों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की कमी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री का सुरक्षा और स्वच्छता पर ज्यादा जोर रहा। कहा इसमें किसी तरह की चूक और खामी नहीं रहनी चाहिए।

कुंभ वाणी रेडियो चैनल समेत कई कार्यों का किया उद्घाटन: मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को आकाशवाणी के कुंभ वाणी रेडियो चैनल की शुरूआत की। उन्होंने पूर्व सांसद व स्वतंत्रता सेनानी कमला बहुगुणा की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इसके अलावा 100 शटल बसों को हरी झंडी भी दिखाई। योगी आदित्यनाथ ने स्वरूपरानी अस्पताल में मां की रसोई, सेक्टर सात में यूपी स्टेट पवेलियन और कला कुंभ प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

केजरीवाल के बयान पर योगी ने कहा कि दूसरे राज्य के नागरिकों को भी दिल्ली का मतदाता बनने का अधिकार है। मतदाता बनाने का काम चुनाव आयोग के हस्तक्षेप से होता है। इसमें किसी सरकार की कोई भूमिका नहीं है। केजरीवाल ने संवैधानिक संस्था पर सवाल उठाया है।

पीएम मोदी हमारी मांगे मान लें तो मैं अनशन छोड़ दूंगा: डल्लेवाल

एजेंसी/नई दिल्ली

46 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत नाजुक होती जा रही है। जगजीत सिंह डल्लेवाल ने भाजपा की पंजाब यूनिट पर निशाना साधते हुए एक वीडियो मैसेज शेयर किया है। पीएम मोदी हमारी मांगे मान लें तो मैं अनशन छोड़ दूंगा। हमारा अनशन करना कोई कारोबार नहीं है। न ही यह हमारा शौक है।

दो मिनट 58 सेकंड के वीडियो में किसान नेता ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि बीजेपी की पंजाब यूनिट ने अकाल तख्त से संपर्क कर जत्थेदार से उन्हें अनशन खत्म करने का निर्देश देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि बीजेपी नेता गलत दिशा में जा रहे हैं। अकाल तख्त से संपर्क करने के बजाय, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑफिस से संपर्क करना चाहिए और मामले को सुलझाने के लिए उनसे हस्तक्षेप की मांग करनी चाहिए।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से किसानों से बातचीत करने का आग्रह किया है।

2018 के बाद डीजीपी या फिर मुख्य सचिव का पद महज दिखावटी रह गया

तेजस्वी बोले... आरसीपी टैक्स के बाद अब वसूला जा रहा डीके टैक्स

केटी न्यूज/पटना

बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले राजनीतिक पार्टियों की ओर से आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। शुक्रवार को आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में अब 'डीके टैक्स' वसूली हो रही है। राजधानी दिल्ली के साथ-साथ बिहार में भी सियासत गरमा गई है। दिल्ली में अभी चुनाव प्रचार चल रहा है जबकि बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारी चल रही है। यहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी प्रगति यात्रा के जरिए सीधे जनता से रू-ब-रू हो रहे हैं। उनकी यह यात्रा अलग-अलग जिलों से होकर गुजर रही है। इस बीच आरजेडी नेता और राज्य के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से रिटायर्ड अधिकारियों द्वारा सरकार चलाने का आरोप लगाया। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिना किसी का नाम लेते हुए कहा कि बिहार में तो डीके टैक्स सिस्टम चल रहा है। राज्य में डीके टैक्स वसूली हो रही है। रिटायर्ड अधिकारी ही सब कुछ चला रहे हैं।

यहां सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। बिहार में दुर्भाग्यपूर्ण चीजें हो रही हैं। 2018 के बाद बिहार में सबसे बड़ा पद डीजीपी या फिर मुख्य सचिव का पद महज दिखावटी रह गया है बल्कि वह सजावट के लायक भी नहीं रह गया है। हालांकि, तेजस्वी यादव ने डीके टैक्स का नाम जरूरी लिया, लेकिन उस पूर्व अधिकारी का नाम नहीं बताया।

तेजस्वी यादव बोले- बिहार में डीजीपी की भी नहीं चल रही

आरजेडी नेता ने कहा कि बिहार में न तो डीजीपी की चल रही है न ही मुख्य सचिव की चल रही है। मुख्यमंत्री कहीं जाते हैं तो इनको बुलाते भी नहीं हैं। जो रिटायर्ड अधिकारी हैं, वही लोग बिहार को चला रहे हैं। बिहार में डीके टैक्स चल रहा है। पूरी तरीके से बिहार में वसूली, अधिकारियों की हेरा फेरी और ट्रांसफर हो रहा है. जो काबिल अधिकारी हैं, जो परफॉर्मर हैं, चाहे वह आईएएस हो या फिर आइपीएस, ऐसे करीब 90 प्रतिशत अधिकारियों को शंटिंग पोस्ट पर डाल दिया गया है। तेजस्वी का यह भी कहना था कि उनसे कोई काम नहीं लिया जा रहा है। उस ग्रुप की बात नहीं मानी जाती है तो कार्रवाई की जाती है। बिहार में नीतीश कुमार का राज नहीं चल रहा है, पूरी तरीके से डीके वसूली हो रही है। विपक्ष के नेता इससे पहले आरसीपी टैक्स की बात करते थे। आरसीपी सिंह भी पूर्व आईएएस अधिकारी रहे हैं और नीतीश कुमार के साथ उनकी करीबी किसी से छिपी नहीं थी।

तेजस्वी ने इशारों में आईएएस दीपक कुमार साधा निशाना: बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में अब डीके टैक्स वसूली हो रही है। कहा जा रहा है कि तेजस्वी यादव का इशारा बिहार के आईएएस अधिकारी दीपक कुमार की तरफ है। दीपक कुमार कई विभागों को संभाल चुके हैं। राजनीतिक गलियारों में इस बात की भी खूब चर्चा है कि दीपक कुमार नीतीश कुमार का पसंदीदा बने हुए हैं। कहीं भी जाते हैं तो दीपक कुमार साथ नजर आते हैं।

कई विभागों में धांधली का आरोप झेल रहे नीतीश: यह पहला मौका नहीं है जबकि तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार सरकार पर इस तरह का हमला बोला है। इससे पहले भी तेजस्वी अधिकारियों द्वारा सरकार चलाने का आरोप लगा चुके हैं। एक समय में शिक्षा विभाग में भर्ती में धांधली का आरोप लगाते हुए भी तेजस्वी यादव अधिकारियों द्वारा सरकार चलाने की बात कर चुके हैं। अब बीपीएससी के छात्र आंदोलन कर रहे हैं। जदयू के विधायक के यहां छापेमारी हुई। विजय चौधरी मंत्री के रिश्तेदार के यहां भी छापेमारी हुई थी। यह सब अभी है तो चलता रहेगा। चुनाव आने वाला है। बीजेपी के पास और कुछ बचा हुआ नहीं है।

सड़क दुर्घटना में पति-पत्नी की मौत, सास का पैर कटा

रोहतास। रोहतास में एक हाईवा के चपेट में आने से बाइक सवार पति-पत्नी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है, जबकि इस घटना में उनके साथ मौजूद उनकी सास गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक की पहचान मुन्ना पाल के पुत्र दीपक कुमार पाल (25) और उनकी पत्नी खुशी कुमारी (22) के रूप में हुई है। वह बक्सर जिले के सोनबरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामनगर के रहने वाले थे। वहीं घटना में घायल मृतक की सास शारदा देवी (35) जमरोढ़ गांव की रहने वाली है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि दोनों अपने मामा के गांव भानपुर पंचायत के बड़का लाट गांव में रहते थे। बाइक सवार दीपक कुमार अपनी पत्नी और सास को सासाराम से इलाज करा कर चौसा लाइन नहर से बड़का लौट रहे थे और एक हाईवा मालियाबाग से कोचस की तरफ जा रहा था।

सीएम नीतीश कुमार ने पूर्व आईपीएस अधिकारी और महावीर मंदिर न्यास समिति के संस्थापक सचिव आचार्य किशोर कुणाल के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने स्व. किशोर कुणाल के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। किशोर कुणाल का बीते 29 दिसंबर को हार्ट अटैक आने के कारण निधन हो गया था। वहीं जीतन राम मांझी ने कहा कि पूर्व आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल ने बिना भेद-भाव के सभी का सेवा की। इसलिए उन्होंने स्वर्गीय किशोर कुणाल के लिए भारत रत्न की मांग की है।

बेऊर जेल में चल रही थी पार्टी और हाई-टेक फोटोशूट

पटना। पटना के बेऊर केंद्रीय कारा से सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में कैदी जेल के अंदर खुलेआम पार्टी करते, गाना बजाते और हाई-टेक कैमरे से तस्वीरें खींचते नजर आ रहे हैं। यह मामला न केवल जेल मैनुअल का उल्लंघन है। सूत्रों के मुताबिक, बेऊर जेल में जेल प्रबंधक और कर्मचारियों की मिली भगत से शराब और गांजे का अवैध व्यापार चल रहा है। शाम के समय, जब कैदी अपने वार्ड में बंद होते हैं, उसी दौरान शराब, सिगरेट और गांजा जैसे नशीले पदार्थ जेल के अंदर पहुंचाए जाते हैं। इस पूरे खेल के पीछे अधिकारियों का हाथ है।

अपराधियों का एनकाउंटर तो होगा ही : डीजीपी

केटी न्यूज/पटना

बिहार डीजीपी का पदभार संभालते ही विनय कुमार एक्शन में हैं। इसी कड़ी में डीजीपी विनय कुमार की अध्यक्षता में राज्य में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने को लेकर जिला पुलिस मुख्यालय में समीक्षात्मक बैठक की गई। डीजीपी विनय कुमार ने एक बार फिर अपराधियों को कड़ा अल्टीमेटम दिया. बिहार डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि, एनकाउंटर का यह सिलसिला बरकरार रह सकता है।

अपराधियों के साथ हो पुलिस का आमना सामना: बैठक के बाद डीजीपी ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि, जब पुलिस की

मोबिलिटी बढ़ेगी तब संभावना बढ़ेगी कि अपराधियों के साथ पुलिस का आमना सामना हो। इन स्थितियों में पुलिस पर अपराधी फायरिंग कर सकते हैं और इस स्थिति में मुठभेड़ संभव है। पुलिस की सक्रियता तब इस प्रकार की मुठभेड़ संभावित है।

पदाधिकारियों को दिए सख्त निर्देश: वहीं समीक्षात्मक बैठक को लेकर डीजीपी ने कहा कि अनुसंधान त्वरित गति से किया जाए। अपराधियों पर अंकुश लगाया जाए. उन पर निगरानी रखी जाए। साथ ही जो जेल से छूट रहे हैं उन अपराधियों उन पर भी निगरानी रखी जाए, इसे लेकर बैठक में मुख्य रूप से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि गश्ती व्यवस्था को कैसे दुरुस्त किया जाये। तकनीक का प्रयोग करके अपराधियों पर किस प्रकार से अंकुश लगे इन सभी बातों पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि विनय कुमार के डीजीपी का पद संभालते ही राजधानी पटना में तीन अपराधी मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। वहीं पूर्णिया में भी एक वांछित को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया तो वहीं गया में भी पुलिस मुठभेड़ में एक अपराधी पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया।

लाखों बेघर परिवारों को मिलेगा अपना घर, पीएम आवास के लिए सर्वे का काम शुरू

केटी न्यूज/पटना

राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत बेघर परिवारों को पक्के मकान मुहैया कराने के लिए 10 जनवरी से एक नया सर्वे शुरू किया है। इस सर्वे का उद्देश्य उन सभी परिवारों की पहचान करना है जो बेघर हैं या जिनके पास पक्का मकान नहीं है। यह सर्वे 31 मार्च तक चलेगा और राज्य की सभी पंचायतों को इसमें शामिल किया जाएगा। सर्वे में ग्राम पंचायत के कर्मचारी जैसे असिस्टेंट लेवल के कर्मचारी, पंचायत सेवक और पंचायत सचिव शामिल होंगे। सर्वे के दौरान कर्मचारी घर-घर जाकर परिवारों की आर्थिक स्थिति, उनके पास मौजूद संपत्ति और रहने की स्थिति का आकलन करेंगे। पीएम आवास योजना का लाभ लेने के लिए कुछ विशेष मानदंड तय किए गए हैं। पीएम आवास योजना का लाभ लेने के लिए लाभार्थी परिवार की मासिक आय 15,000 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। परिवार के पास दो पहिया या तीन पहिया वाहन, कोई

जमीन या किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 50,000 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। परिवार का कोई भी सदस्य आयकर या व्यावसायिक कर का भुगतान नहीं करता हो। पिछला सर्वे 2018-19 में हुआ था और उसमें चुने गए 11 लाख लाभार्थियों को अभी तक मकान नहीं मिल पाए हैं। इस बार सरकार का लक्ष्य है कि इस साल 2.40 लाख घरों का निर्माण पूरा किया जाए। पीएम आवास योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को 1.30 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलती है, जिसमें मनरेगा के तहत श्रम लागत भी शामिल है।

नालंदा : बालू माफिया ने हमलाकर छुड़ा लिया ट्रैक्टर

नालंदा। अवैध बालू खनन करने वालों ने पुलिस पर हमला करके पकड़ा गया ट्रैक्टर छुड़ा लिया। गिरियक प्रखंड में प्यारेपुर गांव की घटना है। बताया गया कि पावापुरी में स्थानीय लोगों ने पुलिस को अवैध खनन की सूचना दी थी। पुलिस और खनन विभाग की टीम ने छापा मारा। मौके पर बालू से भरा ट्रैक्टर पकड़ा गया। लेकिन धंधेबाजों ने पुलिस का विरोध किया और ट्रैक्टर छुड़ाकर भाग गए। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि बाकी फरार हैं। हालांकि, पुलिस मारपीट और पथराव की बातों से इनकार कर रही है। गिरियक और पावापुरी थाने की पुलिस के साथ खनन विभाग की टीम ने छापेमारी की। जब टीम प्यारेपुर गांव पहुंची, तो कुछ लोग ट्रैक्टर पर बालू लोड कर रहे थे।

तबादला को लेकर शिक्षा विभाग ने बनायी चार अलग-अलग श्रेणियां

असाध्य रोग से ग्रसित 35 शिक्षकों का हुआ तबादला

केटी न्यूज/पटना

असाध्य रोग में विभिन्न प्रकार के कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, लिवर रोग से ग्रसित, दिव्यांगता के आधार पर बारी-बारी से ट्रांसफर किया जाएगा। वहीं पति-पत्नी के ट्रांसफर को दूसरी श्रेणी में रखा गया है। बिहार शिक्षा विभाग ने शिक्षकों की ट्रांसफर पोस्टिंग की शुरुआत कर दी है और शुरूआती दौर में 35 शिक्षकों का तबादला विभाग ने किया है। इन 35 शिक्षकों में बहुत ज्यादा असाध्य रोग से ग्रसित शिक्षक हैं, जो किसी न किसी रूप से कैंसर पीड़ित है। शिक्षा विभाग की स्थापना समिति की बैठक में यह निर्णय लिया है, जो पहले से प्रथम विकल्प में असाध्य रोग ग्रसित लोगों को ट्रांसफर करने के लिए कहा गया था। उसी आधार पर चयन किया गया है। ट्रांसफर किए गए उन 35 शिक्षकों की सूची भी जारी कर दी गई है। शेष आवेदनों पर विचार किया जा रहा है।

शिक्षकों का क्रमवार तबादला किया जाएगा: विभाग में असाध्य रोग के विभिन्न प्रकार के कैंसर वाले 759 शिक्षकों के आवेदन आए हैं।

इनमें नियमित से लेकर नियोजित सभी प्रकार के शिक्षक हैं, जिसको शिक्षा विभाग ने चार अलग-अलग श्रेणियां में बांटा है और इन श्रेणियां में आने वाले शिक्षकों का तबादला क्रमवार किया जाएगा। जिन 35 शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया है, वह अपने ट्रांसफर वाले संबंधित जिला शिक्षा पदाधिकारी को पद स्थापना आदेश लॉगिन आईडी से ई शिक्षा कोस पोर्टल पर डाउनलोड कर उसको हस्ताक्षर करके स्थानांतरण आदेश को दोबारा ई शिक्षा पोर्टल अपलोड करना होगा। जिसे संबंधित पदाधिकारी, प्रधानाध्यापक एवं स्थानांतरित शिक्षकों को सुलभ हो सकेगा, लेकिन स्थानांतरण किये गए शिक्षकों को दूसरी जगह अपने ही किराए से जाना होगा। दूसरे जिलों में जाने के लिए विभाग उन्हें खर्च नहीं देगी। बैठक में निर्णय लिया गया है कि चुकी यह स्थानांतरण शिक्षकों के अनुरोध पर किया गया है, इसलिए उन्हें कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा. इसके बाद जिन पहली श्रेणी में शिक्षकों का ट्रांसफर किया जाएगा, उनमें असाध्य रोग, गंभीर बीमारी और विधवा आदि को रखा गया है। सबसे पहले नंबर पर आने वाले असाध्य रोग से ग्रसित शिक्षक का तबादला होना है। उसमें भी जो सबसे ज्यादा अधिक गंभीर बीमारी से पीड़ित है उनका पहला मौका मिलेगा। उसके बाद दूसरी फिर तीसरी और सबसे अंत में चौथी श्रेणी के शिक्षकों का तबादला किया जाएगा। असाध्य रोग में विभिन्न प्रकार के कैंसर, गंभीर बीमारी में किडनी रोग, हृदय रोग, लिवर रोग से ग्रसित, दिव्यांगता के आधार पर और विधवा शिक्षक का बारी-बारी से ट्रांसफर किया जाएगा। वहीं पति-पत्नी के ट्रांसफर को दूसरी श्रेणी में रखा गया है।

डुमरांव शहर में अतिक्रमणकारियों पर चला नप का बुलडोजर

- सीओ और ईओ ने की अभियान की मॉनीटरिंग, अतिक्रमणकारियों पर सख्त दिखे अधिकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

शुक्रवार के दिन नगर में अतिक्रमण का जाल फैलाए अतिक्रमणकारियों की एक नहीं चली और बुलडोजर चलाकर उनके अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया गया। नया थाना से अतिक्रमण मुक्त अभियान सुबह लगभग 11 बजे शुरू हुआ और 4 बजे राजगढ़ चौक पर जाकर समाप्त हुआ। इस दरम्यान अवैध ढंग से दुकान लगाने वाले और फुटपाथ को अतिक्रमण कर रोड को जाम करने वाले किसी को बख्शा नहीं गया। इस दौरान जेसीबी अधिकारियों के इसारे पर अपना काम करता रहा है। नाजायज ढंग से दुकान लगाने वाले समान की बबार्दी नहीं हो उसे समेटते रहे। अतिक्रमण हटाने वालों के साथ सीओ समन प्रकाश और ईओ मनीष कुमार चल रहे थे। कई लोगों द्वारा उनसे नहीं हटाने और अतक्रमित समान देने की गुहार लगायी जा रही थी, लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला।

नया थाना से ट्रेनिंग स्कूल तक चला अभियान

अतिक्रमण पहले फेज में नया थाना से शुरू होकर ट्रेनिंग स्कूल तक गया। फिर दूसरे फेज में वहां से लौटते हुए राज अस्पताल मोड़ से शुरू होकर राजगढ़ चौक तक गया। रास्ते में जो भी अतक्रमण मिला उसे जेसीबी लगाकर उखाड़ दिया गया या ध्वस्त कर दिया गया। सारे सामानों को नप के मजदूर पीछे-पीछे चल रहे ट्रैक्टर की ट्राली में डाल दे रहे थे। हालांकि दुकानदार समानों की मांग कर रहे थे, लेकिन किसी को नहीं दिया जा रहा था। मालूम हो कि स्टेशन रोड में अतिक्रमण के कारण दिनभर लोग जाम की समस्या से जूझते रहते हैं।

नगर का हार्ट कहे जाने वाले गोला रोड में राज कटरा मौजूद है। कटरा तो अपने जगह पर है, व्यवस्थित है, लेकिन उसके नीचे फुटपाथियों को साम्राज्य कायम हो जाता है। सब्जी का राज गोला मौजूद है, लेकिन उसमें बिक्री नहीं कर रोड के किनारे फल और सब्जी और की दुकान लगा दी जाती है। कटरा में दुकान खोले कुछ दुकानदार ऐसे हैं, जो अपने आगे तक दुकान लगा सड़क को जाम कर देते हैं। जाम से भीड़ इतना बढ़ जाता है कि पैदल चलना मुश्किल हो जाता है। उसी तरह से शहीद गेट से आगे बढ़ने पर राजगढ़ चौक तक भी दुकान के आगे दुकान लगाकर रोड के अतक्रमण कर लिये जाने समस्या खड़ी हो जाती है। लोगों का कहना था कि इस अभियान को बराबर चलाते रहने से ही इस समस्या से नगर को निजात मिल सकता है। गुरूवार को अतिक्रमण अभियान तो चला, लेकिन अब कितने गुरूवार पार कर जाएंगे कोई इसका अंदाजा नहीं है। ऐसे में अतक्रमणकारियों का मनोबल कम होने के बजाय बढ़ेगा ही। जंगलबाजार रोड और हाथीखाना रोड में भी अतिक्रमण कारियों का सम्राज्य कायम है, जिससे जाम की समस्या से लोग जूझते रहते हैं।

खबरें फटाफट

फरार तीन वारंटियों को पुलिस ने पकड़ा

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने क्षेत्र के पीडियां गांव से तीन वारंटियों को पकड़ने में सफलता पायी हैं। पकड़े गये आरोपियों के खिलाफ कोर्ट द्वारा वारंट निर्गत किया गया था। जिसे पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें पकड़ कर जेल भेज दिया। स्थानीय पुलिस ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों में पीडियां गांव के चंदन ओझा, शशिभूषण और विजय राम बताये जाते हैं। पुलिस ने कागजी कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया।

लोड सेडिंग के कारण गुल रही बिजली

डुमरांव। नगर सहित आसपास क्षेत्रों में पूरे दिन बिजली गायब रही। बिजली गायब रहने से लोगों और बाजार की जिंदगी ठहर सी गई थी। घरों से लेकर बजारों तक में लोग पानी पीने के लिये भटकते रहे। बगैर स्नान किय बच्चे स्कूल चले गए तो लोग दफ्तर। वहीं महिलाओं को ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस संबंध में जब नगर जेई मनीष कुमार ठाकुर से बात की गई तो उन्होंने बताया की आरा में लोड सेडिंग के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली सप्लाई बंद रही। वैसे जाड़े का दिन होने के कारण लोगों के गीजर व हीटर बंद रहे। अस्पतालों में भी आपातकालीन सेवा पर प्रभाव पड़ा।

उदासीनता: बालू लदे ट्रकों से अवैध वसूली के खेल में बक्सर से आरा तक लग रहा जाम

बिहार को भुगतना पड़ रहा यूपी प्रशासन के लचर रवैये व अवैध वसूली का खामियाजा

- गृह सचिव के निर्देश पर एनएच 922 पर लगने वाले जाम को हटाने के लिए मुश्तैद है भोजपुर व बक्सर प्रशासन
- हर दिन जाम लगने से चौपट हो रहा है ट्रैफिक सिस्टम

केटी न्यूज/बक्सर

उत्तर प्रदेश प्रशासन के लचर रवैये व बालू लदे ट्रकों से अवैध वसूली के खेल का खामियाजा बिहार को भुगतना पड़ रहा है। इस कारण बिहार के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर बक्सर गोलंबर से आरा तक जाम लग रहा है। यह हर दिन की समस्या बन गई है।

यह समस्या इतनी गंभीर हो गई है कि राज्य सरकार तक इसकी गूंज सुनाई पड़ी है तथा गृह सचिव के निर्देश पर आरा व बक्सर जिला प्रशासन एनएच 922 से जाम हटाने के लिए पिछले कई दिनों से मुश्तैदी दिखा रहा है, लेकिन यूपी प्रशासन से सहयोग नहीं मिलने से परिणाम सिफर साबित हो रहा है। हालांकि, दोनों जिला का प्रशासन इस समस्या के निदान के लिए कितना गंभीर है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि भोजपुर डीएम व एसपी खुद सड़क पर उतर जाम हटवाने का प्रयास किए। वहीं, बक्सर जिला प्रशासन के अलावा डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी पिछले एक महीने में कई बार एनएच पर ट्रकों का जाम हटाने के लिए खुद सड़क पर उतर चुके है। बावजूद यूपी प्रशासन से सहयोग नहीं मिलने के कारण अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहा है।

यूपी में हो रही है बालू लदे ट्रकों से अवैध वूसली : ट्रक चालकों तथा जानकारों का कहना है कि बक्सर से यूपी की सीमा में प्रवेश के साथ ही भरौली के पास बालू लदे ट्रकों से अवैध वसूली का खेल शुरू हो जाता है। ट्रक चालक दिनेश सिंह, अशोक कुमार, मो. इश्तियाक, मनोज प्रसाद आदि ने बताया कि बालू लदे ट्रकों से यूपी में पुलिस के दलाल अवैध वूसली करते है। पहले ट्रकों से 500 रूपए लिया जाता था, लेकिन अब यह रेट बढ़कर एक हजार रूपए तक हो गया है। ट्रक चालकों से अवैध वसूली के कारण ही यूपी की सीमा में प्रवेश के साथ ही ट्रकों की रफ्तार पर लगाम लग जा रहा है। जिसका खामियाजा बिहार में भुगतना पड़ रहा है।

हर दिन लग रहा है महाजाम : बता दें कि एनएच 922 पर बक्सर से आरा तक कई जगहों पर ट्रकों के कारण महाजाम लग रहा है। सबसे खराब स्थिति गोलंबर से टोल प्लाजा तक हो रही है। कभी कभी गोलंबर से पुराना भोजपुर तक जाम लग रहा है। यही स्थिति भोजपुर जिले में भी हो रही है। जिस कारण एनएच 922 पर वाहनों के परिचालन पर अनायास ब्रेक लग जा रहा है। एनएच पर ट्रकों के लंबे काफिला के कारण छोटी गाड़ियों, एंबुलेंस यहां तक कि प्रशासनिक वाहनों को भी घंटो जाम में फंसना पड़ रहा है। वही, स्कूली छात्रों तथा नौकरीशुदा लोगों को भी अपने कार्यस्थल पर पहुंचने में विलंब हो रहा है।

हर दिन होता है हजारों ट्रकों का परिचालन : एनएच 922 के रास्ते हर दिन हजारों की संख्या में ट्रक यूपी में जाते है। जानकार बताते है कि बालू का खनन व ढुलाई शुरू होने के बाद से पूरी रात बालू लदे ट्रक इस रास्ते से गुजरते है। वही, यूपी में वसूली के चक्कर में ट्रकों को रोक दिया जाता है। जिस कारण बालू लदे ट्रकों का परिचालन जिला प्रशासन के लिए मुसीबत बन गया है।

यूपी के सहयोग के बिना संभव नहीं है समाधान

स्थानीय प्रशासन का कहना है कि यूपी प्रशासन के सहयोग के बिना इस समस्या का स्थायी हल नहीं निकल सकता है। जिले में वाहनों का परिचालन ट्रैफिक नियमों के तहत कराया जा रहा है। ट्रकों के साथ अन्य वाहनों के परिचालन के लिए डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी तथा यातायाता विभाग द्वारा गोलंबर से पड़री तक ट्रकों का परिचालन एक लेन में कराया जा रहा है तथा दूसरे लेन से अन्य वाहने गुजर रही है, ताकी जाम की समस्या उत्पन्न न हो। लेकिन, यूपी प्रशासन के सहयोग नहीं करने तथा अवैध वसूली के खेल में बक्सर जिला प्रशासन की यह कवायद भी जाम हटाने में कारगर साबित नहीं हो रही है।

हटवाया जाता है जाम

“ एनएच पर अक्सर ट्रकों के कारण जाम लगने की सूचना मिलती है। जानकारी होने पर पुलिस टीम के साथ पहुंच जाम हटवाया जाता है। यूपी में प्रवेश के साथ ही ट्रकों का परिचालन बाधित हो जाता है, जिसका खामियाजा इस इलाके में भुगतना पड़ता है। - अफाक अख्तर अंसारी, डीएसपी, डुमरांव

राजपुर में ओवरटेक करने में ट्रक की चपेट में आया बाइक सवार, मौत

- अफराफरी का फायदा उठाकर घटनास्थल से भागने में सफल रहे ट्रक के चालक और खलासी

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के जलहरा के पास कोचस-बक्सर मार्ग पर शुक्रवार की सुबह ओवरटेक करने में ट्रक की चपेट में आने से एक बाइक सवार 40 वर्षीय युवक पर अपनी जान गवां बैठा। हादसे में उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। वहीं, दुर्घटना की जानकारी मिलते है। ग्रामीणों ने ट्रक को चारों ओर घेर लिया। इस बीच अफरातफरी का फायदा उठाकर ट्रक के चालक व खलासी फरार हो गया। ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की, लेकिन दोनों भागने में सफल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार उक्त युवक कोचस थाना के कटियारा गांव के बागेश पाठक का पुत्र धनंजय पाठक घर से अपनी बाइक पर सवार हो घर से बक्सर के निकला था। जहां वह जलहरा स्थित इलाहाबाद बैंक के समीप एक ट्रक से ओवरटेक कर निकलना चाहा, तभी वह ट्रक की चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उसके गिरते ही ट्रक का पहिया उसके शरीर को रौंदकर आगे बढ़ गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, इस घटना का दृश्य ग्रामीणों ने देखा तो ट्रक को घेर लिए तब तक ट्रक चालक व खलासी फरार हो गए। इस घटना की जानकारी के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले उसके परिजनों को सूचित किया गया। और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

देवढ़िया में मवेशी खटाल में सोए किसान की गोली मार कर हत्या

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के देवढ़िया गांव में एक 50 वर्षीय अधेड़ किसान को गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह अपने घर के बाहर मवेशी खटाल में प्रतिदिन की तरह सोए हुए थे। इसकी जानकारी सुबह होने पर पुलिस को घटना से अवगत कराया गया। जहा पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई। वही, घटना की जानकारी गांव फैलते ही सनसनी फैल गई। बताया जाता है कि मृतक पैक्स अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह के भाई ओम प्रकाश सिंह है।

फोरेंसिक टीम के साथ सदर डीएसपी भी पहुंचे : मिली जानकारी के अनुसार ओम प्रकाश सिंह गुरुवार की रात खाना खाने के बाद प्रति दिन की तरह खटाल स्थित दलान में सोने चले गए। जब शुक्रवार को परिजन उन्हें जगाने गए तो हत्या की जानकारी मिली। गोली सटा कर मारी गई थी। इसकी सूचना मिलते ही राजापुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार पुलिस दल के साथ पहुंच कर जांच में जुट गए। जहा मामले की जानकारी पर फोरेंसिक टीम के साथ सदर डीएसपी धीरज कुमार भी पहुंच गए। साक्ष्य जुटाने के साथ जांच शुरू की। जहा हत्या के पीछे रंजिश की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि स्वजनों तथा आसपास के लोगों से पूछताछ तथा अन्य बिंदुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है।

हत्या के कारणों की नहीं मिल रही जानकारी : मामले में सदर एसडीपीओ धीरज कुमार ने बताया कि हत्या के कारणों की जानकारी नहीं मिल रही है। पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है।

डुमरांव एसडीएम ने किया स्थानीय प्रखंड व अंचल कार्यालय का निरीक्षण

आम जनता की शिकायतों का समय से करें निपटारा: एसडीएम

- वृद्धा पेंशन, राशन कार्ड, परिमार्जन एवं जमाबंदी के लंबित मामलों के जल्द निष्पादन का दिया निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने शुक्रवार को स्थानीय प्रखंड व अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान वे दोनों कार्यालयों में मौजूद लोगों की समस्या सुनी तथा बीडीओ संदीप कुमार पांडेय व सीओ शमन प्रकाश को आम जनता की समस्याओं का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर करने का निर्देश दिया।

एसडीएम ने खासकर वृद्धा पेंशन व राशन कार्ड के लिए आए आवेदनों का निष्पादन समय से करने को कहा। उन्होंने कहा कि जो वृद्ध, दिव्यांग या असक्षम लोग है, उन्हें बार-बार दौड़ाना ठीक नहीं है, ऐसा करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। इसके अलावे एसडीएम ने जमाबंदी व परिमार्जन के आवेदनों का अवलोकन भी किया तथा सीओ को समय से इसका निष्पादन करने को कहा। वही, इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने बताया कि जमाबंदी लाक होने से उनका जमाबंदी नहीं हो पा रहा है। इस पर एसडीएम ने तत्काल डीसीएलआर को जमाबंदी का लाक हटाने का निर्देश दिया।

वार्ड सदस्य के हाथ दो दर्जन आवेदन देख भड़के एसडीएम : एसडीएम के निरीक्षण के दौरान किसी पंचायत का एक वार्ड सदस्य अपने हाथ में 20-25 फार्म लेकर उसे आरटीपीएस काउंटर पर जमा करा रहा था। सभी फार्म पेंशन योजना के थे। एसडीएम ने इस पर नाराजगी जताई और कहा कि इससे कार्यालयों में बिचौलिया संस्कृति हावी हो सकती है। उन्होंने कहा कि आवदेकों को खुद अपना आवेदन लेकर आना चाहिए। एसडीएम ने कहा कि जो असक्षम है, उनका आवेदन लेकर कोई पंचायत प्रतिनिधि आ सकता है, लेकिन जो सक्षम है वे खुद अपना आवेदन लेकर आए। इससे बिचौलियों को लोगों के आर्थिक शोषण का मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि सभी कार्यालयों में पारदर्शी तरीके से काम होना चाहिए।

हालांकि, इस औचक निरीक्षण के बाद एसडीएम ने दोनों कार्यालयों के कार्यों के प्रति संतोष जताया और बताया कि निरीक्षण के दौरान सभी कर्मी उपस्थित थे। गौरतलब हो कि एसडीएम राकेश कुमार अपने अलग तरह के कार्यसंस्कृति तथा आम जनता के कार्यों के प्रति संजीदगी के कारण पूरे अनुमंडल इलाके में चर्चित हो चुके है। उनके व्यवहार कुशल रवैये तथा आम जनता के कार्यों के प्रति लगनशीलता लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

एक नजर

कुख्यात चंदन गुप्ता के भाई को आर्म्स एक्ट में तीन साल की सजा, 10 हजार का जुर्माना

बक्सर। जिले के कुख्यात अपराधी चंदन गुप्ता के भाई को न्यायालय ने आर्म्स एक्ट के मामले में तीन साल की सजा सुनाई गई है। अवैध हथियार के मामले में सुनवाई करते हुए शुक्रवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी देवेश कुमार ने पुलिस और दोनों पक्षों के गवाहों सुनने के बाद अभियुक्त को दोषी पाकर सजा के साथ जुमार्ना लगाया। इस संबंध में जिला अभियोजन पदाधिकारी अशोक त्रिपाठी ने बताया कि जून, 2019 में नगर थाना की पुलिस को गुप्त सूचना मिली चीनी मिल मुहल्ले में किराये के मकान में एक युवक अवैध हथियार रखा है। पुलिस की छापेमारी के दौरान चंदन गुप्ता फरार हो गया, लेकिन उसका भाई प्रेम शंकर गुप्ता एक देशी कट्टा व एक कारतूस बरामद किया गया। इसी मामले में नगर थाना में प्राथमिक की दर्ज किया। न्यायाधीश देवेश कुमार ने सुनवाई करते हुए गवाहों के बयान और साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त को दोषी पाकर अलग-अलग धाराओं में सजा सुनाई। अभियुक्त प्रेम शंकर को तीन साल सश्रम कारावास के साथ दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया। वहीं, दूसरे मामले में छह माह की सजा के साथ 500 रुपए का जुर्माना लगाया। सभी सजायें साथ-साथ चलेगी।

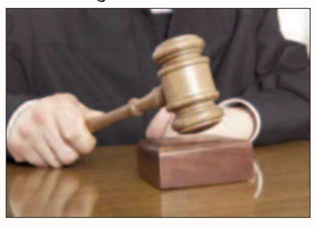

एलएंडटी के गोदाम से गायब हो गए दो लाख मूल्य के पाट्र्स, प्राथमिकी दर्ज

चौसा। प्रखंड मुख्यालय चौसा में बन रहे 1320 मेगावाट के निर्माण कम्पनी के सहयोगी एल एंड टी के गोदाम से दो लाख के पाट्र्स पुर्जे चोरी हो गए है। इस मामले में कंपनी प्रबंधन ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुफस्सिल थाने में एफआईआर दर्ज कराया है। लेकिन, ताज्जूब की बात की प्लांट के जर्रे जर्रे पर सुरक्षाकर्मी तैनात है। इसके अलावे सुरक्षा के लिहाज से बड़े पैमाने पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए है। बावजूद चोरों ने दो लाख के पाट्र्स की चोरी कर इस प्लांट के सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए है। इसको लेकर एलएंडटी के अधिकारी हिमांशु सिन्हा द्वारा मुफस्सिल थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जबकि, पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस को दिए आवेदन में इस बात का जिक्र किया गया है कि वाटर पाइप लाइन में लगाये जाने वाले वॉल्व, मैनिफोलड और फ्लो एलिमेंट के पाट्र्स मंगाया गया था और इसे एलएंडटी के गोदाम में रखा गया था तथा कुछ पाट्र्स एम/सीएलपील इंटरप्राइजेज नीलकंठ कंस्ट्रक्शन ठेकेदार को उपलब्ध कराया गया था। जब उन सभी पाट्र्स को ढूंढा गया तो कुछ पाट्र्स गायब पाये गये। जो किसी अज्ञात चोरों द्वारा चुरा लिया गया है। जिसकी कीमत लगभग दो लाख है। इससे पहले भी इस प्लांट से पाट्र्स व सामान चोरी हुए है, जिसका अभी तक पता नहीं चल पाया।

रात के अंधेरे में अलाव ढूंढता रहा राजस्व कर्मचारी

केसठ। अंचल का एक ऐसा करनामा प्रकाश में आया है जिसे सुन आप भी हैरान हो जाएंगे। जिला प्रशासन के द्वारा कड़ाके के ठंड को देखते हुए सभी अंचल को निर्देश दिया गया था कि अपने क्षेत्र के चौक चौराहे पर अलाव की व्यवस्था करनी है, लेकिन अंचल केसठ द्वारा अभी तक ऐसा नहीं किया गया हैं। हद तो तब हो गई जब जिला प्रशासन ने अंचल के एक कर्मी से अलाव बांटते समय का या अलाव जलाते समय का फोटो मांगा गया, तब वो कर्मी सर्द रात में गांव के गलियों में घूमते नजर आया कि कही कोई अलाव जलाते नजर आ जाए तो उसका फोटो क्लिक कर जिला को भेजी जाए। बहुत प्रयास करने के बाद राजस्व कर्मचारी अमित कुमार को अलाव सेंकते कुछ लोग नजर आए।जिसे उक्त राजस्व कर्मचारी ने अपने कैमरे में कैद कर जिला में भेज दिया। उक्त राजस्व कर्मचारी केसठ के वार्ड 15 में जा कर फोटो क्लिक किया। इस संबंध में पंचायत के उप मुखिया अमितेश कुमार गुप्ता ने बताया कि गुरुवार की रात्रि करीब 8 बजे के आस पास राजस्व कर्मचारी अमित कुमार हमारे गली में पहुंचे जहां हम मोहल्ले के कुछ लोगों के साथ अलाव का आनंद ले रहे थे। तभी उनके द्वारा फोटो क्लिक किया गया। जब हमलोगों ने उनसे पूछा तो उन्होंने बताया कि जिला से रिपोर्ट मांगा गया है कि क्षेत्र में अलाव जल रहा है कि नहीं। जब वहां उपस्थित युवकों ने ये बात सुना तो आश्चर्य चकित हो गए, की अंचल के द्वारा अभी तक कही भी अलाव की व्यवस्था नहीं किया गया और ये कर्मी जिले को गलत जानकारी दे रहा है। मजे की बात तो ये है कि अंचल कार्यालय में पिछले साल में अलाव के लिए एक पेड़ को कटवाया गया था और क्षेत्र में बांटा गया था, लेकिन जब अंचल कार्यालय में पहुंचा गया तो पाया कि अभी पिछले साल के अलाव को बिना बांटे अंचल के भंडार घर में रखा गया है। सोचने वाली बात ये है कि इतनी कड़ाके कि ठंड में जिला प्रशासन के निर्देश के बावजूद भी अलाव नहीं वितरण किया गया साथ ही साथ पिछले साल का भी लकड़ी अंचल में रखा गया। जैसे ही शुक्रवार की सुबह लोगों के बीच इस घटना की जानकारी मिली तो लोगों ने इसे सरकारी अधिकारियों की लापरवाही और जिम्मेदारी की घोर कमी की संज्ञा दी। कड़ाके की ठंड में लोगों को अलाव की व्यवस्था करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन ऐसा लगता है कि अंचल केसठ के अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। साथ ही साथ लोगों ने कहा कि यह बात भी चौंकाने वाली है कि पिछले साल के अलाव को अभी तक अंचल के भंडार घर में रखा गया है। यह सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग को दर्शाता है।

खबरें फटाफट

जन्मदिन पर पूर्व सीनेट सदस्य ने लगाया पौधा

डुमरांव। शुक्रवार को स्थानीय डीके कॉलेज के प्रांगण में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व सीनेट सदस्य डॉ. विनोद कुमार सिंह ने अपने जन्मदिन के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान डॉ सिंह ने कहा कि हम पर्यावरण पर पूरी तरह निर्भर हैं। यदि पर्यावरण नहीं हो तो हमारा कोई अस्तित्व नहीं हैं। इसके लिए हमें कोई निश्चयवादी भूगोल का पोषक समझे तो भी हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। अपने जन्मदिन के अवसर पर पौधरोपण से बड़ा कोई पुण्य का कार्य नहीं समझता हूं। एक वृक्ष सौ पुत्रों के समान है।

डीएम ने सुनी लोगों की समस्याएं

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के द्वारा आम जनता से मुलाकात के क्रम में कुल 24 आवेदनों पर समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में सुनवाई की गई। इस दौरान डीएम ने सभी फरियादयों से मुलाकात कर उनकी परेशानी सुनी। उसके बाद उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया।

बिजली चोरी मामले में सात पर केस

सिमरी। बिजली कंपनी के अधिकारियों के द्वारा विभिन्न गांवों में छापेमारी अभियान चलाकर कुल सात लोगों पर अवैध बिजली चोरी के मामले में मुकदमा किया है। इस संबंध में थाने में कनीय अभियंता आलोक कुमार ने थाने में लिखित तहरीर दर्ज कराई है। जिसमें गायघाट गांव निवासी जय प्रकाश यादव, लिलावती देवी, भोदा यादव एवं पैलाडिह गांव निवासी आहुदिन अंसारी, विद्यासागर गोण्ड, हलिम मियां तथा गोप भरौली गांव निवासी राज नारायण पाण्डेय पर राजस्व क्षति अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दायर किया है।

डुमरांव चैलेंजर ट्राफी: रोहतास ने मेजबान डुमरांव की उम्मीदों पर फेरा पानी

13 ओवरों में सिमटा डुमरांव, 33 रनों से हरा सेमीफाइनल में पहुंचा रोहतास

राज हाई स्कूल में मैच खेलते डुमरांव व रोहतास के खिलाड़ी।

- चौथे क्वाटर फाइनल मुकाबले में रहा गेंदबाजों का दबदबा
- प्रसिद्ध डॉक्टर शैलेश श्रीवास्तव ने किया मैच का उद्घाटन

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय राज हाई स्कूल के खेल मैदान में संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल के तत्वावधान में चल रहे एक लाख एक हजार रूपए की इनामी चैलेंजर ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता का चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला शुक्रवार को मेजबान डुमरांव व रोहतास की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें रोहतास की टीम 33 रन से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल का टिकट कटाया, जहां शनिवार को उसका मुकाबला तीसरे क्वाटर फाइनल में जीत दर्ज करने वाली पटना की टीम से होगा।

मैच में रोहतास की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। रोहतास की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 15.3 ओवर में मात्र 116 रन बना ऑल आउट हो गई। रोहतास की तरफ से अमन ने अर्द्धशतकीय पारी खेली तथा 53 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज डुमरांव के आकाश राय की गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकें। आकाश ने चार विकेट चटकाएं। वहीं, अन्य गेंदबाजों ने भी अच्छी गेंदबाजी की।

लेकिन, डुमरांव के बल्लेबाज 117 रन के लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर सकें। रोहतास टीम की सटीक गेंदबाजी के आगे मेजबान टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। रोहतास के गेंदबाजों ने मेजबान टीम को 13वे ओवर में महज 83 रन पर ऑल आउट कर 33 रन से यह मुकाबला जीत लिया। डुमरांव की ओर से संदीप कुमार ने सर्वाधिक 19 रन की पारी खेली। रोहतास की तरफ से रोशन कुमार, सुधीर यादव व राघव झा ने 3-3 विकेट हासिल किया।

मैच में अर्द्धशतक बनाने वाले रोहतास के अमन को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें यह पुरस्कार डुमरांव थानाध्यक्ष शंभु कुमार भगत, अंग्रेजी शिक्षक अजितेश कुमार और मिस्टर मनोज के द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया। मैच में कॉमेंटेटर के रूप में मनोज कुमार और अजितेश कुमार उपस्थित रहे। स्कोरर के रूप में चेतन और अंपायर की भूमिका में हैप्पी सिंह और शुभम सिंह मौजूद रहे।

खिलाड़ियों से मिले डॉ. शैलेश, दी शुभकामनाएं

चौथे सेमीफाइनल मुकाबले का उद्घाटन डुमरांव के फिजीशियन डॉ. शैलेश श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने फीता काट व दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि डुमरांव में क्रिकेट के प्रति वर्षों से जुनून रहा है। यहां हर साल कई स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। वही, शहरवासी भी क्रिकेट के दीवाने है। उन्होंने कहा कि खेलकूद से स्वस्थ्य प्रतिस्पर्द्धा का निर्माण होता है। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने का संदेश दिया।

पटना व रोहतास के बीच सेमीफाइनल मैच आज

शनिवार को इस प्रतियोगिता के तहत पटना व रोहतास की टीमों के बीच सेमीफाइन मैच खेला जाएगा। इस मैच को जीतने वाली टीम रविवार को फाइनल मैच में पहले ही पहुंच चुकी आरा की टीम से भिड़ेगी। मैच के मुख्य आयोजक व संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल के सह निदेशक शुभम सिंह ने कहा कि फाइनल मैच को जीतने वाली टीम को एक लाख एक हजार रूपए का नगद इनाम व विजेता ट्राफी दी जाएगी। वही, उप विजेता को 51 हजार रूपए दिया व रनर कप दिया जाएगा। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 5100 रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावे मैच के दौरान व्यक्तिगत प्रदर्शन पर भी पुरस्कार दिया जा रहा है।

मैच की झलकियां...

मैच का उद्घाटन करते डॉ. शैलेश व अन्य।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते डॉ. शैलेश।

उपमुख्य पार्षद विकास ठाकुर को सम्मानित करते आयोजन समिति के सदस्य।

रोहतास के अमन को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार देते थानाध्यक्ष।

एक नजर

डुमरांव नप क्षेत्र के वार्ड 16 में पीसीसी रोड का निर्माण शुरू, ग्रामीणों में खुशी की लहर

डुमरांव। नगर परिषद क्षेत्र में पंचायत में रहने वाले दर्जनों ऐसे गांव शामिल हुए हैं, जो विकास से कोसों दूर हैं। उन्हें विकास से जोड़ने की कवायद नगर परिषद ने शुरू कर दिया है। उसी में एक है बनकट गांव का वार्ड 16, जहां रोड, नाली, गली के लिये लोग वर्षों से तरस रहे थे। गुरूवार को पीसीसी रोड बनाने की नींव रखी गई। पीसीसी रोड बनने की शुरूआत होते ही ग्रामीणों में खुशी का माहौल बन गया। इसकी नींव चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता और वार्ड पार्षद अनिल राय ने किया। बनकट गांव जब पंचायत में था, तभी से रोड बनाने की मांग वर्षों से हो रही थी, लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। मालूम हो कि बनकट गांव में लगभग चार हजार की आबादी निवास करती है, लेकिन यहां के लोग आधुनिक सुख-सुविधाओं से वंचित हैं। नगर परिषद में शामिल होने के बाद यहां विकास की रोशनी पहुंचने लगी है। चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने यहां के विकास के लिये योजनाओं को लेना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में गुरूवार को सड़क निर्माण की नींव रखी गई, जिसकी प्राक्कलन राशि 14 लाख 33 हजार है। इस रोड की अनुशंसा वार्ड पार्षद अनिल कुमार राय ने किया था। रोड बन जाने से मुख्य रोड पर आने-जाने हो रही परेशानी अब नहीं होगी।

भरियार स्थित सरकारी बाजार से शीघ्र हटेगा अतिक्रमण, पूरी हुई नीलामी

चक्की। प्रखंड के भरियार सरकारी बाजार पर अतिक्रमण का मामला गर्मा गया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी के आदेशानुसार, बाजार की भूमि नीलामी के बाद 20 प्रति वर्ग फुट प्रति माह की दर से दुकान लगाने वालों से धनराशि वसूलने का निर्देश दिया गया था। हालांकि इससे पूर्व बाजार की नीलामी 2018 में एक लाख 30 हजार पर की गई थी। वहीं अब एक लाख 85 हजार में बाजार की नीलामी हुई है। नीलामकर्ता आशीष कुमार गिरी ने बताया कि बाजार में मिठाई लाल, ओमप्रकाश गुप्ता, और विवेक कुमार जैसे व्यवसायियों द्वारा लगभग 400, 350 और 300 वर्ग फुट भूमि पर सेट डालकर कब्जा किया गया है। ये व्यवसायी निर्धारित धनराशि देने से इनकार कर रहे हैं और सरकारी आदेशों का विरोध करते हुए अभद्र व्यवहार कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, ये लोग एसडीओ से बात हो जाने का दावा कर रहे हैं और न तो दुकान खाली करने को तैयार हैं, न ही भुगतान करने को। इसके अतिरिक्त आशीष गिरी ने कहा बाजार में सब्जी विक्रेताओं को सरकारी भूमि के बजाय निजी भूमि पर स्थानांतरित करवा कर वसूली की जा रही है। इस प्रक्रिया से न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है, बल्कि बाजार की सरकारी भूमि से अतिक्रमण न हटने से सरकार पर भी प्रश्न सूचक चिन्ह लग रहा है। इस मामले में एसडीओ राकेश कुमार और चक्की सीओ संगीता कुमारी को आवेदन दिया गया है। सीओ संगीता कुमारी ने बताया कि सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। संबंधित अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि बाजार को निर्धारित स्थान पर पुनर्स्थापित कर नीलामी की राशि सरकारी खजाने में जमा कराई जाएगी।

गोकुल जलाशय का कराएं सीमांकन: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

जिला गंगा समिति के अध्यक्ष सह जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति की बैठक समाहरणालय के सभाकक्ष में आयोजित हुई। इस बैठक में शुभम आर्य व भोजपुर के वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रद्युम्न गौरव उपस्थिति थे।

बैठक के शुरूआत में जिलाधिकारी द्वारा पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की गई। वही, नए गंगा घाटों के निर्माण की समीक्षा के क्रम में कनीय अभियंता बुडको द्वारा बताया गया कि नए गंगा घाटों के निर्माण के लिए सर्वे कर रिपोर्ट विभाग को भेज दिया गया है तथा विभाग से प्रशासनिक स्वीकृति के बाद अग्रेत्तर कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने परियोजना निदेशक बुडको को निर्देश दिया कि विभाग से समन्वय स्थापित कर शीघ्र कार्रवाई करेंगे। भूमि सुधार उप समाहर्ता डुमरांव को निर्देश दिया गया कि अंचलाधिकारी चक्की एवं ब्रह्मपुर तथा वनों के क्षेत्र पदाधिकारी बक्सर से समन्वय स्थापित कर गोकुल जलाशय का सीमांकन कराना सुनिश्चित करेंगे। गोकुल जलाशय में होने वाले समस्त कार्यों के लिए अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव राकेश कुमार को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया।

सभी कार्यपालक पदाधिकारी नगर निकाय बक्सर जिला को निर्देश दिया गया कि सिंगल यूज प्लास्टिक को उपयोग नहीं करने से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रचार प्रसार कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक को बंद कराने के लिए नियमित रूप से छापेमारी करें। जिलाधिकारी ने कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत चौसा को लैंडफिल साइट के चयन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जबकि सभी कार्यपालक पदाधिकारी को नगर निकाय में कूड़ा पॉइंट का निस्तारण शीघ्र कराने को कहा गया।

चोरी मामले का नहीं हुआ उद्भेदन

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी के पुराना भोजपुर में गुरूवार की रात हुए एक मोटर पार्ट्स की दुकान में 2.20 लाख रूपए के चोरी मामले में पुलिस के हाथ खाली है। पुलिस इस वारदात में शामिल चोरों का पता नहीं लगा सकी है। जबकि चोरी की इस वारदात के बाद से दुकानदार काफी मायूस है। बता दें कि हाल के दिनों में नया भोजपुर इलाके में चोरी की कई घटनाएं हो चुकी है। पूर्व में पुराना भोजपुर में ही फोरलेन के करीब घर बना रहने वाले राजू सिंह के घर में हुई भीषण चोरी की वारदात का उद्भेदन भी पुलिस नहीं कर सकी है। लगातार चोरी की घटनाओं से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे है।

समयावधि समाप्त हो जाने के कारण अध्यक्ष पद के लिए नहीं पड़ा दूसरा आवेदन

गिरिधर बरांव पंचायत के पैक्स अध्यक्ष के लिए एक मात्र प्रत्याशी ने किया नामांकन

- सदस्य पद के लिए कुल 15 प्रत्याशियों द्वारा किया गया नामांकन जमा

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड के गिरधर बरांव पैक्स चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया संपन्न हो गया। अंतिम दिन शुक्रवार को अध्यक्ष पद के लिए सुदामा सिंह द्वारा नामांकन पत्र जमा किया गया। वहीं कार्यकारणी सदस्य पद के लिए कुल 15 उम्मीदवारों की नामांकन पत्र जमा हुआ हैं।

अध्यक्ष पद के लिए मात्र एक प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र जमा करने से लगभग स्पष्ट रुझान नजर आने लगी है। यूं कहा जाए कि गिरिधर बरांव पंचायत में सुदामा सिंह निर्विरोध पैक्स अध्यक्ष निर्वाचित होंगे। बताया जाता है कि अध्यक्ष पद पर दूसरे प्रत्याशी मनोज कुमार नामांकन करने पहुंचे थे। पर निर्धारित समय के बजाय विलंब से। जिसके चलते अध्यक्ष पद पर मात्र एक नामांकन पर्चा होने से निर्विरोध अध्यक्ष पद घोषित होने का रास्ता साफ नजर आने लगा है। इधर अध्यक्ष पद के दावेदार दूसरे प्रत्याशी मनोज यादव ने बताया कि उनका नामांकन पत्र जमा नहीं किया गया। इस संबंध में पूछे जाने पर निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ मनोज कुमार ने बताया कि घोषित नामांकन तिथि के दूसरे दिन प्राधिकार द्वारा निर्धारित अंतिम समय अपराह्न तीन बजे तक निर्धारित किया गया था। निर्धारित समय तक अध्यक्ष पद के लिए मात्र एक ही नाम निर्देशन पत्र सुदामा सिंह का प्राप्त हुआ था। दूसरे लोग समयावधि समाप्त होने के बाद 3 रू 30 बजे कार्यालय पहुंचे थे। समयावधि के अंतर्गत अध्यक्ष पद पर एक ही नामांकन पत्र जमा होने के चलते प्राधिकार द्वारा जारी दिशा निर्देश के आलोक में अध्यक्ष पद पर सुदामा सिंह को निर्विरोध विजयी घोषित किया जाएगा। जबकि कार्यकारणी सदस्य पद के कुछ वर्ग में चुनाव की संभावना है।

बीडीओ ने बताया कि सदस्य पद के लिए सामान्य वर्ग पुरुष के लिए चार, महिला तीन, पिछड़ा वर्ग में पुरुष एक, अति पिछड़ा वर्ग पुरुष एक, महिला दो, अनुजाति, जनजाति पुरुष दो, महिला दो कुल 15 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन जमा किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण पर 19 तक जारी होगी सर्वे रिपोर्ट

धनबाद, एजेंसी। झारखंड में प्रस्तावित नगर निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण तय करने को लेकर डोर टू डोर सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है। सर्वे रिपोर्ट की डेटा इंट्री को जल्द पूरा करने का निर्देश नगर आयुक्त ने दिया। 19 जनवरी को सर्वे रिपोर्ट का प्रकाशन किया जाना है। उसके दस दिनों तक दावा-आपत्ति का समय दिया जाएगा। पिछले एक महीने से डोर टू डोर सर्वे का काम किया जा रहा था।

गुरुवार को नगर निगम में नगर आयुक्त ने सर्वेक्षण से संबंधित समीक्षा बैठक की। बैठक में शामिल विभिन्न अंचलों के प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है। डाटा इंट्री का काम चल रहा है। नगर आयुक्त ने इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के मेंबर सेकेट्री केके सिंह ने डीसी को पत्र लिखकर चार बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी है। इसमें पिछड़ा वर्ग के संबंध में वार्डवार सूचना अपडेट मतदाता सूची के अनुसार देने का निर्देश दिया। पिछड़े वर्ग की राजनीतिक स्थिति की जानकारी के लिए अनारक्षित वर्ग में चुने गए अत्यंत पिछड़ा वर्ग एवं पिछड़ा के प्रतिनिधियों की सूचना आयोग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। धनबाद नगर निगम में कई ऐसे ओबीसी जाति के पार्षद हैं, जिन्होंने सामान्य सीटों से जीत दर्ज की है। आयोग ने ऐसे पार्षदों की सूची भी जिले के डीसी से मांगी है। आयोग की ओर से सभी जिलों के डीसी को एक फॉर्मेट दिया गया है, उसे भरकर देना है। डोर टू डोर सर्वे के आधार पर ही फॉर्मेट के आधार पर भरकर देना है। पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद नई सरकार ने निकाय चुनाव पर पहल की है। इसी आदेश के बाद डोर टू डोर सर्वे कराया गया है। बैठक में धनबाद, चिरकुंडा नगर पर्षद, झरिया, एग्यारकुंड, चिरकुंडा, पुटकी के प्रखंड विकास पदाधिकारी थे।

रांची एसडीओ और डीएसपी ने बांटे कंबल

रांची, एजेंसी। झराजधानी रांची के सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार और हटिया डीएसपी पीके मिश्रा ने गुरुवार देर रात हटिया रेलवे स्टेशन, यात्री शेड और आसपास के क्षेत्र में बेघर और जरूरतमंदों के बीच कम्बल वितरण किया। दोनों अधिकारियों ने कड़ाके की ठंड को देखते हुए घूम-घूम कर कंबल का वितरण किया। अधिकारियों ने सभी बेघर एवं जरूरतमंदों को ठंड से बचने के लिए उचित सावधानियां बरतने की सलाह दी। कंबल पाने वाले लोगों ने इस कार्य के लिए अधिकारियों की सराहना की।

रांची में आतिशबाजी के दौरान बाईक में लगी आग

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची में आतिशबाजी के दौरान एक बाइक में आग लग गई. इसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई. वहां मौजूद सभी लोग और ट्रैफिक पुलिस वाले बाइक में लगी आग को बुझाने की कोशिश में जुट गए. एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने एक व्यक्ति से बोरी लेकर उससे आग को बुझाना शुरू कर दिया. इसी बीच एक व्यक्ति एक पानी का जार लेकर आया और जलती बाईक पर डाल दिया. काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका.

लोहरदगा में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या करने वाले को फांसी की सजा

लोहरदगा, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची से सटे लोहरदगा जिले में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या के एक आरोपी को फांसी की सजा सुनाई गई है. जिस शख्स को यह सजा सुनाई गई है, उसका नाम इंदर उरांव है. लोहरदगा के एडीजे-1 अखिलेश कुमार तिवारी की अदालत ने यह फैसला सुनाया है. घटना जिले के बगड़ू थाना क्षेत्र के आर्या गांव में हुई थी. जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सह विशेष न्यायाधीश पोस्को एक्ट अखिलेश कुमार तिवारी ने आरोपी को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई है. अभियुक्त इंदर उरांव (25) पिता लक्षण उरांव अरेया निवासी को धारा 302 के तहत दोषी पाते हुए मृत्युदंड की सजा दी गई है. इतना ही नहीं, मृत्युपर्यंत सश्रम आजीवन कारावास की सजा भी सुनाई गई है. 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है. 24 दिसंबर 2022 को दोपहर 3ः00 बजे अरेया गांव में एक छोटी बच्ची सहेलियों के साथ खेल रही थी. इसी बीच इंदर उरांव वहां पहुंचा और छोटे-छोटे बच्चों को 5-5 रुपए देकर चॉकलेट खरीदने भेज दिया.

कंज्यूमर कोर्ट का बड़ा फैसला, एक्सीडेंट के समय एयरबैग नहीं खुलने पर लगाया स्कॉर्पियो कंपनी पर जुर्माना

चाईबासा, एजेंसी। महिंद्रा स्कॉर्पियो का गंभीर टक्कर के बावजूद एयरबैग नहीं खुलने पर सुरक्षा मानकों में लापरवाही को देखते हुए जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के न्यायालय चाईबासा ने कंपनी पर 1.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही आयोग ने कंपनी को सुरक्षा मानकों को बेहतर करने के लिए सख्त चेतावनी भी दी है। दरअसल, कंपनी के लापरवाही को लेकर चाईबासा के बड़ा नीमडीह निवासी चार्टर्ड एकाउंटेंट अभिषेक दोदराजका ने महिंद्रा कंपनी और उसके वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ उपभोक्ता अदालत में 2021 में मामला दर्ज किया था। दर्ज मामले में शिकायतकर्ता अभिषेक ने कहा था कि 2017 में महिंद्रा स्कॉर्पियो एस-10 खरीदी थी। 20 मई 2021 को हुई एक बड़ी सड़क दुर्घटना में वाहन का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन एयरबैग नहीं खुला था। कंपनी और इसके अधिकारियों ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए कहा कि दुर्घटना की तीव्रता एयरबैग खोलने के लिए आवश्यक स्तर से कम थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि महिंद्रा ने अपने वाहनों की सुरक्षा विशेषताओं के बारे में भ्रामक दावे किए, जिससे ग्राहक गुमराह हुए।

शिकायतकर्ता ने इसे कंपनी की लापरवाही और सुरक्षा मानकों में खामियों का मामला बताया था। वाहन निर्माता ने दावा किया कि दुर्घटना की तीव्रता एयरबैग खोलने की सीमा के भीतर नहीं थी। हालांकि, आयोग ने तस्वीरों और मरम्मत के अनुमानों के आधार पर तय किया कि दुर्घटना की गंभीरता अधिक थी और यह वाहन निर्माता की सेवा में कमी का स्पष्ट मामला है। अदालत ने कंपनी को गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार का दोषी पाया। अदालत ने महिंद्रा कंपनी को न केवल ग्राहक की शिकायत का निवारण करने का निर्देश दिया।

साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए कदम उठाने का आदेश भी दिया। आयोग ने कहा कि यह घटना कंपनी की ओर से सुरक्षा तंत्र में कमी और लापरवाही को दर्शाती है। आयोग ने यह भी निर्देश दिया कि महिंद्रा एंड महिंद्रा उन सभी वाहनों की जांच और आवश्यकतानुसार रिकॉल करे, जिनमें ऐसी समस्याएं हो सकती हैं, ताकि भविष्य में उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी के खिलाफ जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। आयोग ने वाहन निर्माता को आदेश दिया कि वह शिकायतकर्ता को एक लाख रुपये की राशि सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के लिए और पचास हजार रुपये मानसिक प्रताड़ना और जीवन को खतरे में डालने के लिए मुआवजे के रूप में अदा करे। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग न्यायालय चाईबासा में भारतीय जीवन बीमा निगम के विरुद्ध शिकायत के बाद तत्काल वादी को 15 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। चाईबासा के अमला टोला निवासी अजय बजाज को अपनी पत्नी के दिवंगत होने के बाद एलआइसी की परिपक्वता राशि के लिए लगातार कार्यालय का चक्कर लगाने के बावजूद पैसा का भुगतान नहीं किया जा रहा था। इसके बाद अजय बजाज ने उपभोक्ता न्यायालय चाईबासा में मामला दर्ज कराया। उपभोक्ता आयोग में मामला दर्ज करने की जानकारी होने के तत्काल बाद ही भारतीय जीवन बीमा निगम चाईबासा कार्यालय के द्वारा वादी को 15 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया।

झारखंड में जमकर गरजा बुलडोजर, प्रशासन ने ढहा दिया करोड़ों का अपार्टमेंट

जमशेदपुर, एजेंसी। गुरुवार को झारखंड में जमकर बुलडोजर गरजा। जमशेदपुर में मरीन ड्राइव स्थित करोड़ों की लागत से निर्माणाधीन प्रिया बाला हैरिटेज अपार्टमेंट को ढहाने का काम गुरुवार को शुरू हुआ। चार जेसीबी की मदद से इसे तोड़ा जा रहा है। पहले दिन इसके आगे के हिस्से को ढहा दिया गया। कल पूरे हिस्से को ध्वस्त किये जाने की संभावना है। इसके बेसमेंट और प्रथम तल की ढलाई हो चुकी है, जबकि दूसरे तल की सेंटरिंग की गई थी।

कदमा के उलियान में श्रीनाथ रेसीडेंसी कॉलोनी के पीछे यह अपार्टमेंट अनाबाद झारखंड सरकार की जमीन पर बन रहा था। इसका खाता नंबर 1217, प्लॉट नंबर 55/2797 और रकवा 25 डिसमिल है। इसे तोड़ने के मौके पर जमशेदपुर के अंचलाधिकारी मनोज कुमार, कार्यपालक दंडाधिकारी सुदिप्त राज, सीआई, अमीन, हलका कर्मचारी और क्यूआरटी के जवान मौजूद थे। इस दौरान अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि बिल्डर कुणाल सिंह के द्वारा अगस्त 2024 से सरकारी जमीन पर अवैध रूप से निर्माण करवाया जा रहा था। इसकी सूचना पाकर उन्होंने निर्माण कार्य बंद करवा दिया था। साथ ही कुणाल सिंह के विरुद्ध जेपीएलई केस संख्या 06-24/25 भी दायर किया था।

केस होने के बाद कुणाल सिंह मामले को लेकर हाईकोर्ट चला गया। हाई कोर्ट ने उनके आदेश पर स्टे लगा दिया था।

हालांकि बाद में सरकारी पक्ष सुनने के बाद हाई कोर्ट ने स्टे हटाते हुए बिल्डर को अंचल कार्यालय जाने को कहा। अंचल कार्यालय में हाजिर होने पर कुणाल सिंह को उक्त जमीन के कागजात प्रस्तुत करने को कहा गया। मगर वह कागजात नहीं दिखा पाया। इसके बाद 28 दिसंबर, 2024 को सीओ के नाते उन्होंने सरकारी जमीन से अवैध निर्माण खुद हटाने का आदेश दिया और उसके लिए समय भी दिया। इसके बावजूद कुणाल सिंह ने निर्माण नहीं हटाया। इसलिए अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

1.20 करोड़ में एक फ्लैट बेचने की चर्चाः अपार्टमेंट तोड़ने की सूचना पर वहां पहुंचे एक व्यक्ति ने बताया कि इसमें उसने भी बुकिंग कराई है। एक फ्लैट एक करोड़ 20 लाख का बिका है। 20-20 लाख रुपए वे लोग दे चुके हैं। अब तो पैसे वापस लेने के लिए उन्हें पता नहीं क्या-क्या करना पड़ेगा।

नगर निगम ने 40 संवेदकों को दिया नोटिस

धनबाद, एजेंसी। नगर निगम ने बुधवार को 40 संवेदकों को एग्रीमेंट कराने के लिए दोबारा नोटिस दिया है. इस बार नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि एग्रीमेंट नहीं कराने पर द्वितीय योग्य संवेदक को काम आवंटित कर दिया जायेगा. नगर निगम अभियंता के मुताबिक डीएमसी/03/2024-25, डीएमसी/06/2024-25, डीएमसी/07/2024-25, डीएमसी/09/2024-25, डीएमसी/16/2024-25 एवं डीएमसी/252024-25 में कार्य आवंटित हुआ है. संवेदकों को एकरारनामा के लिए दोबारा नोटिस दिया गया है. इसमें कहा गया है कि पत्र प्राप्ति के तीन दिन के अंदर एकरारनामा संबंधित कागजात एवं अग्रधन राशि के रूप में पांच प्रतिशत का डिमांड ड्राफ्ट नगर निगम में जमा करें, अन्यथा द्वितीय योग्य संवेदक को काम आवंटित कर दिया जायेगा. इधर, संवेदकों का कहना है कि उपरोक्त सभी ग्रुपों का टेंडर चुनाव आचार संहिता के पहले निकला था. निविदा समिति में पांच सदस्य हैं. नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता व कार्यपालक अभियंता ने निविदा पर हस्ताक्षर किये थे लेकिन लेखा पदाधिकारी ने उसपर हस्ताक्षर नहीं किया था. बावजूद उपरोक्त ग्रुप का टेंडर निकाला गया. अगर एग्रीमेंट करते हैं, तो काम पूरा होने के बाद बिल पेमेंट में दिक्कत आ सकती है. हमलोगों के लिए यह बड़ी समस्या है. निगम का नोटिस आने पर विचार करेंगे. मनीष कंस्ट्रक्शन, अनोज कुमार, नंद कुमार, तिरुपति बालाजी इंटरप्राइजेज, राहुल कंस्ट्रक्शन, कुल इलेक्ट्रिकल, हरिसंस, वेंकेटेश्वर, आरके कंस्ट्रक्शन, हैयात, बीरेंद्र कुमार यादव, साव इंटरप्राइजेज, अनिल कंस्ट्रक्शन, अशोक कुमार बारी, मो. अजिम, सुजीत कंस्ट्रक्शन, एमके इंटरप्राइजेज, मो अकबर, मां तारा इंटरप्राइजेज, राजेश कुमार सिंह, बाबा कंस्ट्रक्शन, वेदिका इंटरप्राइजेज, कुंदन सेन गुड्डु कुमार केशरी, ओम यश इंफ्रास्ट्रक्चर, आरके ट्रेडर्स, दिनेश इंटरप्राइजेज, राजीव कुमार पाठक, मेसर्स युगराज कंस्ट्रक्शन, संजय कुमार सिंह, परी इंटरप्राइजेज, एसपी मिश्रा, निशा ट्रेडर्स, राज मोहन इंटरप्राइजेज, रडिएंट इंटरप्राइजेज, भगवान सिंह, बालाजी इलेक्ट्रिकल एंड इंजीनियरिंग, अली सिमेंट ट्रेडर्स.

वेटलैंड्स इंटरनेशनल की टीम जलपक्षी गणना के लिए जमशेदपुर पहुंची

जमशेदपुर, एजेंसी। एशियन वॉटरबर्ड सेंसेस जलपक्षियों की आबादी और उनके आवास की निगरानी के लिए नागरिक विज्ञान कार्यक्रम 19 जनवरी तक अपनी 2025 की गणना आयोजित करेगा। जमशेदपुर टाटा मोटर्स प्लांट के 100 किलोमीटर के दायरे में स्थित महत्वपूर्ण वेटलैंड्स का विस्तृत सर्वेक्षण इस बार के सर्वे का मुख्य आकर्षण होगा। यह पहल टाटा मोटर्स लिमिटेड, वेटलैंड्स इंटरनेशनल साउथ एशिया और सृष्टि कंजर्वेशन फाउंडेशन के सहयोग से चलाई जा रही है। इसका उद्देश्य सेंट्रल एशियन फ्लाईवे पर स्थित वेटलैंड्स का संरक्षण सुनिश्चित करना है। साथ ही, इन वेटलैंड्स के सतत उपयोग के लिए सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाना और क्षमताओं को बढ़ाना भी इस कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है।गुरुवार को टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क में बैठक आयोजित की गई, जिसमें वेटलैंड्स इंटरनेशनल साउथ एशिया के अधिकारियों और स्थानीय पक्षी विशेषज्ञों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य झारखंड में जलपक्षी गणना 2025 की सफल योजना और क्रियान्वयन की रणनीति तैयार करना था। बैठक में विशेष रूप से जमशेदपुर टाटा मोटर्स प्लांट के आसपास के वेटलैंड्स पर फोकस करते हुए उनकी संरचना, पक्षियों की संख्या और उनकी परिस्थितियों पर चर्चा की गई।

कोयला कारोबारी के घर में गोलीबारी, अमन साहू गैंग के मयंक सिंह ने ली जिम्मेदारी

लातेहार, एजेंसी। जिले के बालूमाथ के कोयला व्यवसायी मुकेश सिंह के बालूमाथ आवास में गुरुवार की देर शाम अज्ञात अपराधियों ने गोलीबारी की है. हालांकि इस गोलीबारी में किसी को हताहत होने की सूचना नहीं है. एक अपाची बाइक सवार दो अपराधियों ने फायरिंग की. फायरिंग कर अपराधी फरार हो गये. सभी अपराधी बालूमाथ थाना की ओर से आए हुए थे और गोली चलाकर वापस बालूमाथ थाना की ओर भाग निकले. पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है.

अमन साहू गिरोह ने लिया जिम्माः सोशल मीडिया पर घटना की जिम्मेदारी लेते हुए अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने कहा है कि आज शाम बालूमाथ में मुकेश सिंह के घर पर जो गोलीबारी हुआ है ये मेरे द्वारा कराया गया है. याद रखना दो बार में तुम्हारे दोनों कान का परदा खोले हैं. इस बार मैनेज नहीं किये तो अबकी तुम्हारा खोपड़ी खोलूंगा वादा है. तुम्हेंज्मुकेश सिंह. हम तुम्हें मारेंगे और जरूर मारेंगे, पर बंदूक भी हमारी होगी, गोली भी हमारी होगी और हां वह वक्त भी हमारा होगा. हम कैंसर और शुगर बीमारी के जैसा हैं अंतिम वक़्त तक छोड़ेंगे नहीं.

चुट्टूपालू घाटी में एलपीजी गैस का टैंकर पलटा, जाम हुआ एनएच 33

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ जिले के चुट्टूपालू घाटी में शुक्रवार को एलपीजी गैस का टैंकर पलट गया। इस हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पूरी तरीके से जाम हो गया है। गड़के मोड़ के पास एलपीजी गैस से लदा एक टैंकर अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गया, जिससे रांची-पटना मुख्य मार्ग एनएच 33 का घाटी इलाका पूरी तरह जाम हो गया। एलपीजी गैस टैंकर पारादीप से काठमांडू जा रहा था।घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची रामगढ़ पुलिस ने हाइड्रा और क्रेन के साथ-साथ फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को बुलाकर एलपीजी गैस से भरे टैंकर को उठाने का प्रयास कर रही है।

एलपीजी गैस टैंकर से कोई गैस लीक नहीं हुई और किसी तरह की कोई हानि नहीं हुई। गैस कंटेनर के चालक मो. शमशेर आलम ने बताया कि घाटी के ऊपर रुककर उसने चाय पी और फिर उसने टैंक को बाहर निकाला। घाटी में उसने देखा कि आगे एक ट्रेलर खराब हो गया है, उसने जैसे ही गाड़ी से पास लिया पीछे से रेलवे स्लैब लदे एक खुले ट्रेलर ने उसे साइड से जोरदार टक्कर मार दी और हजारीबाग की ओर भाग गया। इस टक्कर से वह अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर से टकराया और सड़क के बीचोंबीच पलट गया। टैंकर में ज्वलनशील पदार्थ एलपीजी गैस थी और उसे नेपाल के काठमांडू ले जाया जा रहा था। रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि घाटी क्षेत्र में एलपीजी गैस टैंकर के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद क्रेन हाइड्रा और फायर ब्रिगेड को बुलाकर टैंकर को उठाने का प्रयास किया जा रहा है। दुर्घटना के कारण घाटी पूरी तरह से जाम हो गया है। किसी तरह वन वे को चालू किया जा रहा है। घटना की जानकारी वरीय अधिकारी को दे दी गई है। जल्द ही गैस टैंकर को उठाकर यातायात सुचारू रूप से चालू कर दिया जाएगा।

उत्तर-पूर्व में बर्फबारी का असर, झारखंड में चल रही शीतलहर, इतना हो गया तापमान

रांची, एजेंसी। देश के उत्तर-पूर्व में हो रही बर्फबारी का असर झारखंड पर भी पड़ रहा है. सुबह और शाम में शीतलहरी से ठिठुरन बढ़ गयी है. अभी 3 दिन तक कोहरा और धुंध की वजह से परेशानी और बढ़ने वाली है. इसलिए

मौसम विभाग ने सुबह में बच्चों और बुजुर्गों के साथ-साथ हृदय रोगियों और मॉर्निंग वॉकर से सचेत रहने की अपील की है. झारखंड के लगभग सभी जिलों का पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है. मैक्लुस्कीगंज का पारा एक डिग्री सेल्सियस पहुंच गया.

लोहरदगा का न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस, कांके का न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस रहा. राजधानी रांची के मौसम की बात करें, तो यहां पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 1.8 डिग्री सेल्सियस की कमी आ गयी है. बुधवार को रांची का न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस था, गुरुवार को यह 7.0 डिग्री सेल्सियस रह गया. यह सामान्य तापमान से 2.1 डिग्री कम है. मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार की सुबह में धुंध व कोहरा छाया रहा. दिन में आसमान थोड़ा साफ रहेगा. शनिवार और रविवार की सुबह से लेकर दिन भर हल्की धूप के साथ धुंध व कोहरा छाये रहने की संभावना है. अगले 3 दिन के बाद न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है.

झारखंड के गजब स्कूल ! 199 विद्यालयों में 398 शिक्षक, स्टूडेंट एक भी नहीं

रांची, एजेंसी। प्रदेश के स्कूलों को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। राज्य में 199 ऐसे स्कूल हैं, जहां एक भी विद्यार्थी नामांकित नहीं है। हैरानी की बात यह है कि इन स्कूलों में 398 शिक्षक बहाल हैं। स्पष्ट है कि ये सभी शिक्षक बिना पठन-पाठन कराए वेतन ले रहे हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (यूडायस) प्लस की वर्ष 2023-24 की हालिया रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है। हालांकि कुल 44,475 स्कूलों की तुलना में जीरो नामांकन वाले स्कूलों की संख्या एक प्रतिशत से भी कम है। फिर भी इन स्कूलों में शिक्षकों का पदस्थापन या नियुक्ति होना सवाल उठाता है।

झारखंड के स्कूलों में औसत पांच शिक्षक कार्यरत हैं, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह औसत सात है जो झारखंड से अधिक है। झारखंड के स्कूलों में औसत 161 विद्यार्थियों का नामांकन होता है। यह राष्ट्रीय औसत 169 है, जो झारखंड से थोड़ा अधिक है। बताते चलें कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय प्रतिवर्ष यह रिपोर्ट स्कूलों द्वारा फीड किए गए आंकड़ों के आधार पर जारी करता है। इस बार सामान्य तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में अलग-अलग रिपोर्ट जारी की गई हैं। जिला शिक्षा विभाग की ओर से ग्रेड फोर में प्रोन्नत होने वाले 295 शिक्षकों की सूची जिला प्रशासन के वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अब इन शिक्षकों का काउंसिलिंग कर नए स्कूल में स्थानांतरण होना है। काउंसिलिंग का कार्य 11 जनवरी को जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय के सभागार में होगी। इसकी विस्तृत सूचना भी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

स्नातक प्रशिक्षित विज्ञान शिक्षकों की काउंसिलिंग सुबह 10 से 12, स्नातक प्रशिक्षित कला के शिक्षकों की काउंसिलिंग दोपहर 12 से तीन बजे तक, स्नातक प्रशिक्षित भाषा एवं उर्दू शिक्षकों की काउंसिलिंग शाम चार बजे से निर्धारित की गई है। वेबसाइट पर विभिन्न स्कूलों में संकाय वार रिक्ति की सूची को भी अपलोड कर दिया गया है। इस रिक्ति के अनुसार ही शिक्षकों का स्थानांतरण होगा।

सुभाषितम्

कुछ लोग सफलता के सपने देखते हैं, जबकि अन्य व्यक्ति जागते हैं और इसके लिए कड़ी मेहनत करते हैं। - अज्ञात

वायु प्रदूषण का दंड- भोपाल गैस कांड

संजय गोस्वामी

वायु प्रदूषण दिन-प्रतिदिन भयानक रूप लेती जा रही है। पिछले कई सालों से हर नगर में कारखानों की संख्या में बहुत वायु प्रदूषण का अर्थ होता है वायु में अनावश्यक रूप से कुछ तत्वों के मिल जाने से वायु का प्रदूषित हो जाना। जब किसी भी तरह के हानिकारक पदार्थ जैसे झ रसायन, सूक्ष्म पदार्थ या फिर जैविक पदार्थ वातावरण में मिलते हैं तो वायु प्रदूषण होता है। स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छ पर्यावर्णीय हवा का होना बहुत जरूरी होता है। जब हवा की संरचना में परिवर्तन होने पर स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा हो जाता है। वृद्धि हुई है जिसकी वजह से वायुमंडल बहुत अधिक प्रभावित हुआ है। भोपाल में वायु प्रदूषण की वजह से 1984 में 15-20 हजार लोगों की मौत हो गयी थी। भोपाल में गैस त्रासदी पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी दुर्घटना है.तीन दिसंबर, 1984 को आधी रात के बाद सुबह मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में यूनियन कार्बाइड की फैक्टरी से निकली जहरीली गैस ने हजारों लोगों की जान ले ली थीं. उस सुबह यूनियन कार्बाइड के प्लांट नंबर सी में हुए रिसाव से बने गैस के बादल को हवा के झोंके अपने साथ बहाकर ले जा रहे थे. और लोग मौत की नींद सोते जा रहे थे. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस दुर्घटना के कुछ ही घंटों के भीतर तीन हजार लोग मारे गए थे. हालांकि गैरसरकारी स्रोत मानते हैं कि ये संख्या करीब तीन गुना ज्यादा थी.यूनियन कार्बाइड की फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का रिसाव हुआ था.समुचित डॉक्टरी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं थीं इसकी वजह थी टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का पानी से मिल जाना.इससे हुई रासायनिक प्रक्रिया की वजह से टैंक में दबाव पैदा हो गया और टैंक खुल गया और उससे रिसी गैस ने हजारों लोगों की जान ले ली.सबसे

बुरी तरह प्रभावित हुई कारखाने के पास स्थित झुग्गी बस्ती. वहाँ हादसे का शिकार हुए वे लोग जो रोजीरोटी की तलाश में दूर-दूर के गाँवों से आ कर वहाँ रह रहे थे. इस दुर्घटना के शिकार लोगों की संख्या 20 हजार तक बताई जाती है.अधिकांश व्यक्ति निद्रावस्था में ही मौत का शिकार बने. लोगों को मौत की नींद सुलाने में विषैली गैस को औसत तीन मिनट लगे.ऐसे किसी हादसे के लिए कोई तैयार नहीं था. यहाँ तक कि कारखाने का अलार्म सिस्टम भी घंटों तक बेअसर रहा, जबकि उसे बिना किसी देरी के चेतावनी देना था.हाँफते और आँखों में जलन लिए जब प्रभावित लोग अस्पताल पहुँचे तो ऐसी स्थिति में उनका क्या इलाज किया जाना चाहिए, ये डॉक्टरों को मालूम ही नहीं था. वहाँ आए लोगों में कुछ अस्थाई अंधेपन का शिकार थे, कुछ का सिर चकरा रहा था और साँस की तकलीफ तो सब को थी.एक अनुमान के अनुसार पहले दो दिनों में करीब 50 हजार लोगों का इलाज किया गया.शुरू में डॉक्टरों को ठीक से पता नहीं था कि क्या किया जाए क्योंकि उन्हें मिथाइल आइसोसाइनेट गैस से पीड़ित लोगों के इलाज का कोई अनुभव जो नहीं था.हालांकि गैस रिसाव के आठ घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैसों के असर से मुक्त मान लिया गया था.लेकिन 1984 में हुए इस हादसे से अब भी यह शहर उबर नहीं पाया है। स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छ पर्यावर्णीय हवा का होना बहुत जरूरी होता है। जब हवा की संरचना में परिवर्तन होने पर स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा हो जाता है।वायु प्राणियों के जीवन का आधार होता है। वायुमंडल पर्यावरण का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। मानव जीवन के लिए वायु का होना बहुत ही आवश्यक होता है। बिना वायु के मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। पिछले कुछ सालों से संसार के सामने वायु प्रदूषण की बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो गयी है। वायु प्रदूषण का अर्थ होता है वायु में अनावश्यक रूप से कुछ तत्वों के मिल जाने से वायु का प्रदूषित हो जाना। जब किसी भी तरह के हानिकारक पदार्थ जैसे झ रसायन, सूक्ष्म पदार्थ या फिर जैविक पदार्थ वातावरण में मिलते हैं तो वायु प्रदूषण होता है।जब वायु में धूल, धुआं, विषाक्त, गैस, रासायनिक वाष्पों, वैज्ञानिक प्रयोगों की वजह से आंतरिक संरचना प्रभावित हो जाती है अथार्त विजातीय पदार्थों की अधिकता होने पर जब वायु, मनुष्य और उसके पर्यावरण के लिए हानिकारक हो जाते हैं तो इस स्थिति को वायु प्रदूषण कहते हैं। वायु प्रदूषण के इतना अधिक बढने का कारण उद्योगों का व्यापक प्रसार, धुआं छोड़ने वाले वाहनों की संख्या में वृद्धि और घरेलू उपयोगों के लिए ऊर्जा के स्त्रोतों का अधिक मात्रा में दोहन होना है। पर्यावरण की ताजी हवा दिन-प्रतिदिन विभिक्त, जैविक अणुओं, और कई प्रकार के हानिकारक सामग्री के मिलने की वजह से दूषित हो रही है।वायु प्रदूषण का एक कारण बढती हुयी जनसंख्या और लोगों का शहरों की तरफ आना भी है। लोगों के रहने के स्थान की व्यवस्था और आवास की व्यवस्था के लिए वृक्षों और वनों को लगातार काटा जाता है जिसकी वजह से वायु प्रदूषण में वृद्धि होती है। कुछ रासायनिक गैसे वायुमण्डल में पहुंचकर वहाँ के ओजोन मंडल से क्रिया करके उनकी मात्रा को कम कर देते हैं जिसकी वजह से भी वायु प्रदूषण बढ़ जाता है। अगर वायुमंडल में लगातार कार्बन-डाई-आक्साइड, कार्बन-मोनो-आक्साइड, नाईट्रोजन, आक्साइड, हाईड्रोकार्बन इसी तरह से मिलते रहंगे तो वायु प्रदूषण अपनी चरम सीमा पर पहुंच जायेगा।जब सार्वजनिक और व्यक्तिगत शौचालयों की समुचित सफाई नहीं होती है जिससे क्षेत्र विशेष में वायु प्रदूषण बहुत अधिक बढ़ जाता है। संसार की बढती हुयी जनसंख्या ने प्राकृतिक संसाधनों का अधिक प्रयोग किया है। औद्योगीकरण की वजह से बड़े-बड़े शहर बंजर बनते जा रहे हैं। वाहनों और कारखानों से जो धुआं निकलता है उसमें सल्फर-डाई-आक्साइड की मात्रा होती है जो पहले सल्फाइड और बाद में सल्फ्यूरिक अम्ल में बदलकर बूंदों के रूप में वायु में रह जाती है।वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण कपड़ा बनाने के कारखाने, रासायनिक कारखाने, तेल शोधक कारखाने, चीनी बनाने के कारखाने, धातुकर्म और गत्ता बनाने वाले कारखाने, खाद और कीटनाशक कारखाने होते हैं। इन कारखानों से निकलने वाले कार्बन-डाई-आक्साइड, नाईट्रोजन, कार्बन-मोनो-आक्साइड, सल्फर, सीसा, बेरेलियम, जिंक, कैडमियम, पारा और धूल सीधे वायुमंडल में पहुंचते हैं जिसकी वजह से वायु प्रदूषण में वृद्धि होती है।जब जानवरों की खाल को निकालकर उनके मृत शरीर को खुली जगह पर डाल दिया जाता है और उसके शरीर के सड़ने की वजह से बदबू वायु में फैलती है जिससे वायु प्रदूषण होता है। आणविक ऊर्जा, अंतरिक्ष यात्रा, तकनीक के विकास की वजह से अथवा शोधकार्य के लिए किये जाने वाले विस्फोट या क्रिया से वातावरण को दूषित करती है।वायु से दूषित करने वाले तत्वों को हटाकर वायु को दूषित होने से बचाया जा सकता है। हम वन संरक्षण और वृक्षारोपण से भी वायु प्रदूषण को कम कर सकते हैं। जलाऊ लकड़ी की जगह पर ऊर्जा के अन्य विकल्पों को ढूँढना चाहिए। कचरे का उपयुक्त विधि से निवारण करना चाहिए। सरकारी वनरोपण को प्रोत्साहन देना चाहिए। औद्योगिक संस्थानों को आवासी जगहों से दूर बसाना चाहिए। वाहन को चलाते समय मास्क या चश्मे का प्रयोग करना चाहिए। सरकार को घर पर बैठकर काम करने वाली नीतियों का प्रयोग करना चाहिए। जितना हो सके उतना साइकिल का प्रयोग करना चाहिए जिससे वायु प्रदूषण न हो।अपने घरों के आस-पास के पेड़ों की देखभाल और रक्षा करनी चाहिए। जब ज्यादा जरूरत न हो बिजली का प्रयोग नहीं करना चाहिए। जहाँ पर आपको जरूरत है वहीं पर कूलर या पंखा चलाना चाहिए बाकि स्थानों का पंखा या कूलर बंद कर देना चाहिए। सूखे पत्तों को जलाने की जगह पर उनका खाद के रूप में प्रयोग करना चाहिए।अपनी गाड़ी का प्रदूषण हर तीन महीने में जाँच जरुर करवानी चाहिए। हमेशा सीसायुक्त पेट्रोल का प्रयोग करना चाहिए। बाहर की जगह पर घर में प्रदूषण का प्रभाव बहुत कम होता है इसी वजह से जब बाहर प्रदूषण अधिक हो जाये तो घरों के अंदर चले जाना चाहिए।

कब लागू होगा डेटा सुरक्षा कानून?

डिजिटल युग में, डेटा किसी भी देश का सबसे महत्वपूर्ण संसाधन ओर खजाना बन गया है। जिस प्रकार प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है, उसी प्रकार व्यक्तिगत जानकारी, प्राकृतिक जानकारी तथा विभिन्न किस्म का नॉलेज और संवेदनशील डेटा की सुरक्षा और प्राथमिकता तय करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। डेटा सुरक्षा कानून लंबे समय से चचाओं में है। इसका उद्देश्य व्यक्तिगत डेटा की गोपनीयता बनाए रखना और जानकारियों का दुरुपयोग रोकना महत्वपूर्ण है। डेटा सुरक्षा कानून कब भारत में लागू होगा, यह सवाल आज भी एक बड़ी चिंता के साथ मौजूद है। सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, और अन्य डिजिटल प्लेट फॉर्म्स पर करोड़ों की संख्या में उपयोगकर्ता प्रतिदिन लाखों-करोड़ों डेटा को आपस में साझा करते हैं। इस डेटा का प्रयोग न केवल व्यापारिक कार्य के लिए किया जाता है बल्कि इस डेटा को अनुचित तरीकों से साझा करने और बेचने की हजारों-लाखों घटनाएं सामने आ चुकी हैं। यह उपयोगकताओं के निजी एवं व्यापारिक हितों पर गंभीर प्रभाव डालकर, आर्थिक एवं निजी संबंधों के लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है। उदाहरण स्वरूप, व्यक्तिगत डेटा की चोरी के कारण साइबर अपराध, धोखाधड़ी, पहचान की चोरी जैसे मामलों में लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कई मामलों में निजी प्रतिष्ठा में नुकसान उठाना पड़ा है। इस तरह की घटनाओं में लगातार वृद्धि होती जा रही है। डेटा सुरक्षा कानून को लागू करने में देरी के कई कारण सामने आ रहे हैं। सबसे बड़ा कारण डेटा सुरक्षा से जुड़े कानून को संतुलित और प्रभावी रूप से तैयार करना सरकार और विधि विशेषज्ञों के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसको लेकर केंद्र एवं राज्यों के बीच में भी सहमति नहीं बन पा रही है। भारत सरकार ने वैश्विक स्तर पर डेटा सुरक्षा के जो कानून हैं, उनका भी अध्ययन अभी तक गंभीरता के साथ नहीं कराया गया है। सरकार को सुनिश्चित करना होगा, कानून के माध्यम से भारतीय नागरिकों एवं उपयोगकताओं के अधिकारों की रक्षा हो, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नागरिकों की निजता बनी रहे। व्यापारिक गतिविधियों में कोई बाधा अथवा आर्थिक नुकसान ना हो। डेटा सुरक्षा कानून में प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अधिकारिता, पारदर्शिता और स्पष्टता सुनिश्चित की जाए। भारत सरकार ने डेटा सुरक्षा कानून के प्रारूप को तैयार करने और संसद में प्रस्तुत करने के लिए पूर्व में कई प्रयास किये हैं। हाल के वर्षों में, डेटा संरक्षण बिल को लेकर कई सुझाव सरकार को विभिन्न माध्यमों से भेजे गए हैं। डेटा सुरक्षा कानून लागू करने के लिए वर्तमान सरकार की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। संबंधित हितधारकों के बीच तालमेल ना होना सबसे बड़ी बाधा है। डेटा सुरक्षा कानून जल्द से जल्द लागू करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। जैसे-जैसे डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से सामाजिक एवं अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, डिजिटल लेन-देन से आम आदमी का जोखिम बढ़ रहा है। डेटा सुरक्षा कानून में देरी होने से आम जनता को भारी नुकसान हो रहा है। इसका प्रभाव आम लोगों की गोपनीयता आर्थिक लेन-देन, अपराधिक घटनाओं और डेटा की सुरक्षा पर पड़ रहा है। जिसके कारण नागरिकों को आर्थिक एवं निजता के मामले में बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए, कि डेटा सुरक्षा कानून जल्द से जल्द लागू हो। नागरिकों की सुरक्षा और उनके हित सुनिश्चित हों। डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में जिम्मेदार और सुरक्षित राष्ट्र के रूप में भारत की पहचान दुनिया में हो। डेटा सुरक्षा कानून का लागू होना, केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं है, यह प्रत्येक नागरिक के मौलिक अधिकारों से जुड़ा हुआ प्रश्न भी है। सरकार जिस तरह से डिजिटल प्लेटफॉर्म को आम नागरिकों के ऊपर कानूनन अनिवार्य करती चली जा रही है, उसके बाद सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों के मौलिक अधिकारों के साथ-साथ उनकी निजता, सामाजिक और आर्थिक आधार को सुरक्षा प्रदान करे। भारत सरकार ने कानून बनाकर डिजिटल लेनदेन, ऑनलाइन सेवाओं तथा सोशल मीडिया को जिस तरह से बढ़ावा दिया है, उससे उसकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है।

एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है?

विपक्षी दलों में खलबली के खतरनाक संकेत

राकेश अचल

भारत में लोकतंत्र खतरे में हो या न हो लेकिन तमाम विपक्षीदल जरूर खतरे में नजर आ रहे हैं। अनेक क्षेत्रीय दल अब सत्तारूढ़ भाजपा से मोर्चा लेने के बजाय उसकी शरण में जाने के लिए लालायित दिखाई दे रहे हैं। भारत के दो दलीय लोकतंत्र के लिए एक तरह से ये ठीक भी है और नहीं भी ,लेकिन होनी को कौन टाल सकता है ? पिछले महीने महाराष्ट्र, हरियाणा विधानसभा में पराजय के बाद इंडिया गठबंधन के अनेक सहयोगी दल दिल्ली विधानसभा के चुनाव के समय अपनी-अपनी ढपली बजाकर अपना-अपना राग सुनाने लगे हैं। दिल्ली में शुरूवात आम आदमी पार्टी ने की। आम आदमी पार्टी ने इंडिया गठबंधन से कांग्रेस को अलग करने की मांग की। आम आदमी पार्टी दिल्ली में कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ने को राजी नहीं थी। कांग्रेस ने जब पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र को उतारा तो आम आदमी पार्टी बिदक गयी। उसने कांग्रेस को ही भाजपा की बी टीम कह दिया। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव हार चुके महाराष्ट्र विकास अगाडी के सदस्य एनसीपी के शरद पंवार गुट को भी अब भाजपा प्रिय लगने लगी है। महाराष्ट्र के दिग्गज शरद पंवार का ये आखरी चुनाव था। वे अब ये कहते नहीं थकते कि संघ जैसा कोई नही। संघ ने ही भाजपा को प्रचंड विजय दिलाई।भाजपा के हाथों खंडित हो चुके शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे को भी अब अपना वजूद संकट में नजर आ रहा है ,वे भी अब हिंदुत्व का राग अलापते दिखाई दे रहे हैं और वो दिन भी दूर नहीं है जब वे भाजपा के सहयोगी बन जाएँ ,क्योंकि न अब पंवार को लड़ना आता है और न उद्धव ठाकरे को। ये केवल परास्त ही नहीं बल्कि हिम्मत हार चुके योद्धा बनकर रह गए हैं।

बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी तो पहले से इंडिया गठबंधन की अगुवाई करने का मन बनाये बैठीं हैं ,वे भाजपा से अब तक जूझती आयीं है लेकिन अब उन्हें भी कांग्रेस से भय लगने लगा है। ममता को पता है कि भाजपा से पंगा लेने की ताकत इंडिया गठबंधन में यदि किसी में है तो वो सिर्फ कांग्रेस है। और कोई कांग्रेस की जगह नहीं ले सकता,लेकिन चूंकि वे पुरानी कांग्रेसी हैं,अभी भी उनके साथ कांग्रेस का पुंछल्ला जुड़ा है इसलिए उन्हें लगता है कि शायद गठबंधन के दूसरे सहयोगी उनका नेतृत्व स्वीकार कर ले। इंडिया गठबनधन के सबसे बड़े दलों में से एक समाजवादी पार्टी ने विधानसभा उप चुनावों में कांग्रेस से अलग रहकर चुनाव लड़कर देख लिया है। महाराष्ट्र विधानससभा चुनावों में भी समाजवादी दल सुप्रीमो अखिलेश की अपनी ढपली और अपना राग सुनाई दिया था। समाजवादी दल की महत्वाकांक्षा ममता बनर्जी जैसी नहीं है। अखिलेश उत्तर प्रदेश से बाहर नहीं निकलना चाहते। उन्हें इंडिया गठबंधन के नेतृत्व की ललक भी नहीं है क्योंकि वे जानते हैं कि उनका और उनके दल का कद कांग्रेस जैसा नहीं है। फिर भी उनके मन में भी भय है। वे भाजपा से मोर्चा तो लिए हुए हैं ,लेकिन उनका आत्मविश्वास भी हिला हुआ है। बिहार का राष्ट्रीय, जनता दल कांग्रेस का अखंड सहयोगी रहा है ,लेकिन बिहार विधानसभा चुनावों से ठीक पहले वहां भी असंतोष के सुर सुनाई दे रहे हैं। राजद के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव अब बूढ़े हो चुके है। उनके उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव ठसक में हैं लेकिन वे कांग्रेस के खिलाफ बागी नहीं हुए है। उन्हें पता है कि वे बिहार को अकेले दम पर न जीत सकते हैं और न भाजपा को सत्ता में आने से रोक सकते हैं ,इसलिए वे अभी कांग्रेस के खिलाफ मुखर नहीं हुए हैं ,लेकिन दल के और अपने वजूद की फिक्र उन्हें भी खाये जा रही है।

जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों के बाद नेशनल कांफ्रेंस के नेता और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के स्वर भी कांग्रेस को लेकर तल्ख हो गए है। वे भी कहने लगे हैं कि इंडिया गठबंधन का न कोई एजेंडा है और न कोई नेता। दरअसल अब्दुल्ला का काम निकल चुका है। वे भी भाजपा से पंगा लेने के बजाय हिकमत आमली से पांच साल मुख्यमंत्री बने रहना चाहते है। उन्हें पता है कि भाजपा से पंगा लेने में उनका कोई फायदा होने वाला नहीं है ,इसलिए कांग्रेस से छोड़-छुट्टी करने में उन्हें कोई संकोच होने वाला नहीं है।

अब बात आती है इंडिया गतहबंधन के सबसे बड़े दल कांग्रेस की। कांग्रेस के साथ सबसे बड़ी ताकत उसकी अपनी विरासत है। विचारधारा है। संख्या बल भी है। कांग्रेस के समाने देश की राजनीति में पहचान का कोई संकट नहीं है। देश की राजनीति को कांग्रेस विहीन बनाने का भाजपा का अभियान दस साल में कामयाब नहीं हो सका है। बल्कि पिछले दस साल में कांग्रेस की ताकत और स्वीकार्यता बढ़ी जरूर है कांग्रेस ने पिछले आम चुनाव से पहले देश में दो बड़ी जनसम्पर्क यात्राएं निकलकर अपनी स्वीकार्यता को प्रमाणित भी किया है। कांग्रेस पर एक परिवार के नेतृत्व का गंभीर और वास्तविक आरोप जरूर लगता है लेकिन भाजपा के खिलाफ केवल कांग्रेस ही है जो हर खतरे का सामना करते हुए मैदान में खड़ी है। कांग्रेस आम आदमी पार्टी की तरह भाजपा की बी टीम नहीं बनी। कांग्रेस ने ईडी और सीबीआई के सामने भी हथियार नहीं डाले। कांग्रेस ने बड़े पैमाने पर कांग्रेसियों के भाजपा में शामिल होने के बाद भी हिम्मत नहीं हारी। कांग्रेस ही है जो अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सत्तारूढ़ भाजपा और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दस मोदी जी को कटघरे में खड़ा करती रही है। कांग्रेस ही है जिसका भूत भाजपा की टीम और मोदी जी के सर पर चौबीस घंटे सवार रहता है।

दिल्ली दंगल- नजर लागी रानी तेरे बंगले पर !

ओमप्रकाश मेहता

आज से करीब सात दशक पहले एक काफी लोकप्रिय फिल्म आई थी, जिसमें एक गीत में दिल्ली को भारत की दिल बताया गया था, उस गीत के बोल थे- दिल्ली है दिल हिन्दुस्तान का, ये तो तीरथ है सारे जहान का.... आज उसी पचहत्तर वर्षीय बुजुर्ग भारत के दिल की धड़कने कुछ अजीब तरीके से धड़कने लगी है, अब दिल के इस रोग के लिए आज की राजनीति को दोषी माना जाए या राजनेताओं को यह तो अपनी-अपनी सोच का विषय है। किंतु यह सही है कि आज देश पर राज करने वाली पार्टी के धुरंधरों को एक किशोर राजनीतिक दल और उसकी बढ़ती पहचान पसंद नही आ रही है और अब इस राजनीति का स्तर निचले पायदन की ओर अग्रसर है, जिसका स्तर राजनीति से गिरकर बंगलों तक आ गया है, आज देश की राजधानी के नाम से प्रदेश में मुख्यमंत्री अवश्य है, किंतु राजनेताओं की नजर उसके बंगले पर है। यद्यपि मुख्यमंत्री जी अपने अधीकृत मुख्यमंत्री निवास में नही रहती है, उनके नाम मंत्राणी के रूप में दो बंगले पहले से ही आवंटित है, जिनमें से एक में वे निवासरत है, किंतु दिल्ली चुनाव के राजनीतिक दंगल ने दिल्ली के आम वोटर की परेशानियों की चिंता छोड़ इसी राजनीतिक मुद्दें को चुनावी मुद्दा बना लिया है और इन दिनों दिल्ली को आम वोटर को दर्शक दीर्घा में बैठकर यही राजनीतिक नाटक खेला जा रहा है, कभी राजनेता मुख्यमंत्री के नाम से अधीकृत बंगले पर जाकर उसके निरीक्षण के नाम पर प्रशासन व पुलिस से उलझ रहे है तो कभी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू कर देते है।

दिल्ली प्रदेश की विधनसभा में सत्तर सीटें है, जिन पर चुनाव आयोग ने पांच फरवरी को मतदान कराने की घोषणा की है और आठ फरवरी को चुनाव परिणाम आने है, किंतु उक्त महत्वपूर्ण मतदान के पच्चीस दिन पहले (याने आज) ऐसा लगता नही कि वहां कोई चुनाव होने वाला है, फिलहाल तो वहां राजनीतिक दंगल के परिदृष्य नजर आ रहे है।

यहां यह भी आश्चर्यजनक उल्लेखनीय है कि दिल्ली प्रदेश के पिछले दो चुनावों (अर्थात् 2015 और 2020) में जो राजनीतिक दल इकाई से दहाई का आंकड़ा पार नही कर पाया, वह इस बार सत्ता प्राप्ति का दावा कर रहा है, वह दल देश पर राज करने वाली भाजपा है, जिसे 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में 70 में से 03 सीटें मिल पाई थी और पांच साल बाद 2020 के चुनाव में 08 सीटें ही मिल पाई थी और वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे के कथित तत्कालीन शिष्य अरविंद केजरीवाल ने बंपर जीत हासिल की थी और पिछले एक दशक से वे ही मुख्यमंत्री रहे, फिलहाल उनकी शिष्या मुख्यमंत्री है।

इस तरह अब दिल्ली में मुख्य चुनावी मुकाबला आप और भाजपा के बीच ही है, जहां तक कांग्रेस का सवाल है, उसके सूर्य के अस्त होने की बारी दिल्ली तक पहुंच गई है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन परेशानियों वाला हो सकता है। बच्चों के करियर की भी चिंता सताएगी। भागदौड़ भी रहेगी।	**तुला** लाभ का दिन है। आपको धन के मामले में लाभ होगा और आपका मान सम्मान काफी बढ़ेगा।
वृषभ आज पैसा मिल सकता है। ऑफिस में जो भी दिक्कतें आएंगी, सहकर्मियों की मदद से दूर हो जाएंगी।	**वृश्चिक** आज दिन लाभ और तरक?की से भरा होगा और आपके सभी कार्य समय से पूर्ण होंगे।
मिथुन आज दिन अच्छा है। खोई हुई चीज़ मिल सकती है। या कोई खास चीज़ मिल सकती है।	**धनु** आज दिन ऑफिस में चुनौती भरा दिन हो सकता है। काम में मन नहीं लगेगा।
कर्क आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। कुछ कामों में फायदा होगा, तो कुछ में नुकसान।	**मकर** आज दिन परीक्षा जैसा होगा। मेहनत का फल मिलेगा। प्रेमी के साथ घूमने का मौका मिलेगा।
सिंह आज सम्मान मिलेगा। पैसा भी बढ़ेगा। जमीन-जायदाद के मामले सुलझ सकते हैं। कमाई बढ़ेगी।	**कुंभ** लाभ होगा और भरपूर मात्रा में पैसा मिलेगा। दिन की शुरुआत थोड़ी बेचैनी से हो सकती है।
कन्या आज दिन बहुत ऊर्जावान रहेगा और आपके कई रुके कार्य बनने से आपको खुशी होगी।	**मीन** किसी सौदे या लेन-देन में चिंता न करें। बढ़ते खर्चों को रोकना मुश्किल लग सकता है।

विशेष

राहुल रोजाना बने रहते हैं, मीडिया की सुर्खियों में

राहुल गांधी आईआईटी मद्रास के छात्रों से मिलने पहुंचे। छात्रों के सवालों के जवाब उन्होंने दिए। सवाल और जवाब के वीडियो वायरल हुए। छात्रों एवं आम जनता के बीच में राहुल गांधी का क्रेज दिनों दिन बढ़ता चला जा रहा है। एक समय पर मीडिया मे राहुल गांधी यदा- कदा नजर आते थे। या उनकी पप्पू बनाने वाली इमेज के समाचार मीडिया में आते थे। अब स्थितियां बदल गई हैं। राहुल गांधी जिस तरह से जवाब देते हैं। उसके कारण उनकी लोकप्रियता देश भर में लगातार बढ़ती जा रही है। जिसके कारण वह चचाओं में बने रहते हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए भाजपा की चिंता बढ़ने लगी है। अब वह प्रधानमंत्री मोदी के मुकाबले खड़े नजर आते हैं।

संविधान में इंडिया यानी भारत

दुनिया में भारत के संविधान की पहचान अलग तरीके से होती है। भारत के संविधान में भारत के नाम का उल्लेख भारत और इंडिया दोनों ही नाम से किया गया है। किसी भी देश के दो नाम कैसे हो सकते हैं? इसको लेकर जब संविधान बन रहा था। उस समय संविधान निमार्ता भारत और इंडिया को लेकर आपस मे बंटे हुए थे। इस स्थिति को देखते हुए संविधान निमार्ताओं ने भारत के हिंदी और अंग्रेजी नाम को संविधान का अंग बनाकर, नाम के विवाद को दूर किया था। एक बार फिर नाम का विवाद 75 साल बाद देखने को मिल रहा है। केंद्र सरकार को इंडिया गठबंधन से परहेज है। वह इंडिया को भारत कहलाना चाहती है। भाजपा ने इंडिया को इंड़ी कर दिया है। हालांकि मेक इन इंडिया का नारा प्रधानमंत्री मोदी ने दिया था। यही नारा अब भाजपा और केंद्र सरकार के गले में फांस की तरह अटका हुआ है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1569 इंग्लैंड में पहली लॉटरी का शुभारंभ हुआ. 1684 ब्रैडेनबर्ग और फ्रांस के बीच रक्षा गठबंधन हुआ. 1753 स्पेन नरेश जोकिन मुरात ने नेपोलियन बोनापार्ट का साथ छोड़ दिया. 1866 आस्ट्रेलिया जाते समय लंदन नामक जहाज में हुई दुर्घटना में 237 व्यक्ति डूब गए. 1942 द्वितीय विश्व युद्ध में जापान ने कुआलालंपुर पर कब्जा किया. 1943 ब्रिटेन और अमरीका ने चीनी क्षेत्र में अपना दावा वापस ले लिया. 1945 यूनानी गृहयुद्ध में संघर्ष विराम हुआ. 1955 भारत के अखबारी कागज का उत्पान शुरू हुआ. 1962 हिमस्खलन से पेरुवियन एंडेस गांव में तीन हजार मौतें. 1966 प्रधानमंत्री लाल बहादुर शाखत्री का निधन ताशकंद में हुआ. 1970 अलग हुआ बियाफ्रा राज्य नाईजारियाई सरकार के हमले को नहीं झेल पाया और आत्म समर्पण कर दिया. 1973 बांगलादेश को पूर्वी जर्मनी ने मान्यता दी. 1993 सुरक्षा परिषद ने खाड़ी युद्धविराम का उल्लंघन करने के लिए चेतावनी दी.

दैनिक पंचांग

11 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

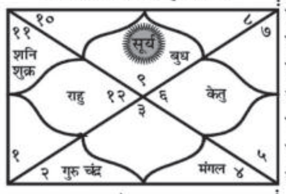

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.00 बजे से
चंद्र	वृष में	कुंभ	08.46 बजे से
मंगल	कर्क में	मीन	10.19 बजे से
बुध	धनु में	मेष	11.49 बजे से
गुरु	वृष में	वृष	13.29 बजे से
शुक्र	कुंभ में	मिथुन	15.28 बजे से
शनि	कुंभ में	कर्क	17.41 बजे से
राहु	मीन में	सिंह	19.57 बजे से
केतु	कन्या में	कन्या	22.09 बजे से
राहुकाल		तुला	00.20 बजे से
9.00 से 10.30		वृश्चिक	02.34 ब.से
बजे तक		धनु	04.50 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 11 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** पौष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वादशी 08.22 बजे तदनन्तर त्रयोदशी 06.34 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 12.29 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 11.48 बजे को समाप्त। **करण** बालव 08.22 बजे, कौलव 19.26 बजे तदनन्तर तैतिल 06.34 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.1 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 21° 48' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872221 **जूलियन दिन** 2460686.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रज्जब **तारीख** 10 **विशेष** प्रदोष व्रत, शनि त्रयोदशी, रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ऐसी आदतें और बातें जिनकी मदद से समझें कि बच्चा जीनियस है

कुछ बच्चे जीनियस होते हैं और उनमें ऐसी कई आदतें और बातें होती हैं जिनकी मदद से आप समझ सकते हैं कि वो बच्चा जीनियस है।

ये तो हम सभी जानते और समझते हैं कि हर बच्चा अलग होता है और जो खास बातें एक बच्चे में होती हैं, वो दूसरे में नहीं हो सकती हैं। कुछ बच्चे पढ़ाई में बहुत होशियार होते हैं, तो कुछ खेल-कूद में आगे रहते हैं। इस तरह हर बच्चा एक-दूसरे से अलग होता है। इसी तरह कुछ बच्चे जीनियस भी होते हैं और इनमें कुछ बातें या आदतें अलग होती हैं जिनकी मदद से आप ये जान और समझ सकते हैं कि ये बच्चे जीनियस हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बता रहे हैं कि साइकोलॉजी के अनुसार जीनियस बच्चों में क्या गुण और आदतें होती हैं।

सकारात्मक दृष्टिकोण

आपको बता दें कि इन बच्चों का जीवन के हर पहलू को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण रहता है। बात समाज की हो या फिर व्यक्तिगत पहलुओं की, ये हर चीज और मुश्किल के सामने सकारात्मक नजरिया रखते हैं और चुनौतियों से घबराते नहीं हैं बल्कि उनका डटकर सामना करते हैं।

फैसला लेना

जीनियस बच्चों के बारे में ये कहा जाता है कि ये फैसले लेने में निपुण होते हैं। इनमें सही और गलत के बीच फर्क समझने का कौशल और क्षमता होती है और ये अपने हर निर्णय के फायदे और नुकसानों का आंकलन करने की भी क्षमता रखते हैं। कहा जा सकता है कि जीनियस बच्चे अपने फैसले खुद ले सकते हैं।

आत्म-नियंत्रण की भावना

इन बच्चों को अपनी भावनाओं और गुस्से को कंट्रोल करना आता है। आप सोच रहे होंगे कि बच्चे तो इन सभी चीजों के लिए बहुत छोटे होते हैं फिर वो कैसे इतना सब कर सकते हैं। आपको बता दें कि यहां बात जीनियस बच्चों की हो रही है और ये बच्चे खुद पर कंट्रोल रखना जानते हैं।

रचनात्मक होते हैं

जीनियस बच्चों में रचनात्मकता का गुण भी देखा जाता है। इनके कामों ही नहीं बल्कि इनकी सोच और विचारों में भी रचनात्मकता देखी जा सकती है। अगर आप भी एक पैरेंट हैं, तो अपने बच्चे में इस गुण के तलाशकर देखें और अगर उसमें ये गुण नहीं है, तो आप कुछ तरीकों से इसे विकसित भी कर सकते हैं।

जिज्ञासु होते हैं

सबसे महत्वपूर्ण बात कि जीनियस बच्चे जिज्ञासु होते हैं। ये हर चीज के बारे में जानने की उत्सुकता रखते हैं और नए अनुभवों के लिए तैयार रहते हैं। आप ये कह सकते हैं कि इनके सामने जो कुछ भी आता है, ये उसके बारे में जानना चाहते हैं और नई चीजों को समझने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।
इसके अलावा अगर आपका बच्चा आपसे बहुत सवाल करता है, तो उसे रोके या डांटे नहीं बल्कि उसके जिज्ञासु मन को शांत करें। इससे बच्चों के ज्ञान का दायरा बढ़ता है और वो बुद्धिमान बनते हैं। ये बच्चे ज्ञानी और बुद्धिमान बन सकते हैं इसलिए आप अपने बच्चे के हर सवाल का जवाब देने की कोशिश करें।

रिश्ते में कड़वाहट को बढ़ने से इस तरह रोकें

पति-पत्नी के रिश्ते में गुस्सा, नाराजगी, प्यार, मोहब्बत सब धूप-छांव की तरह होते हैं। लेकिन यदि गुस्से और नाराजगी का अनुपात ज्यादा हो जाए तो रिश्ता बिगड़ने लगता है। यदि आप भी किसी ऐसे आदमी के साथ रिश्ते में बंधी हैं, जिसे अपने गुस्से पर कंट्रोल नहीं रहता है तो जान लें इन्हें कैसे हैंडल करना चाहिए।

आज कल लोगों की मनोदशा बहुत तरीके से प्रभावित हो रही है, जिसके कारण वह अपने इमोशन को सही तरह से कंट्रोल करने में समर्थ नहीं है। इससे बहुत ज्यादा गुस्सा आना, मानसिक दबाव महसूस होने जैसी समस्याएं लोगों में बहुत ही बढ़ गई है। ऐसे में रिश्तों को कैसे बचा कर रखा जा सकता है, आप इस लेख में प्रिडिक्शन्स फॉर सक्सेस के संस्थापक और रिलेशनशिप कोच विशाल भारद्वाज से जान सकते हैं। खासतौर पर यदि आप एक गुस्सैल पति या पत्नी के साथ बंधन में बंधे हुए हैं, तो यह टिप्स आपके लिए बहुत काम आ सकते हैं।

धीरज रखें

जब आपके पति क्रोध में हों तो ऐसी स्थिति में आपका गुस्सा करना चीजों को और भी खराब कर सकता है। ऐसे में अपनी बात को कहने के लिए उन्हें पूरे तरीके से शांत होने दें। ध्यान रखें कि जब भी पति गुस्से में हो तो पति का शांत रहना बहुत जरूरी है वरना छोटी सी बात भी लड़ाई में बदल जाती है।

पति से उनके गुस्से के बारे में बात करें

अपने पति के एंगर इश्यू के बारे में उनसे खुलकर बात करें। अपने पति से बात करते हुए उन्हें अपनी भावनाओं के बारे में बताएं। उन्हें समझाएं कि किस तरह से उनका गुस्सा आपके रिश्ते को खोखला कर रही है। ध्यान रखें कि उन्हें ऐसा महसूस न हो कि आप उन पर कोई आरोप लगा रही हैं या उनमें कमी निकाल रहीं हैं।

उचित समय का चयन करें

किसी भी विषय पर उनसे चर्चा करने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि उनका मूड अच्छा हो। यदि वह पहले से थके या चिड़चिड़े होंगे तो उनके क्रोधित होने की संभावनाएँ ज्यादा होंगी। जिससे आपको एक बार फिर बिना किसी बात के उनका सामना करना पड़ जाएगा। इस समस्या का कारण खोजें बैठ कर आत्म चिंतन करें कि ऐसी कौन सी बातें हैं जो आपके पति को क्रोध दिलाती है। और ऐसी कौन सी बातें हैं या फिर परिस्थिती है जिनके कारण वे क्रोधित होते हैं जब आपको एक बार इसका सही-सही अनुमान हो जाएगा तब आप इसका समाधान बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

एक्सपर्ट की मदद लें

यदि आप और आपके पति स्वयं अपनी इस समस्या का समाधान नहीं कर पा रहे हैं तो ऐसे में आप किसी पेशावर से मदद ले सकते हैं। ये तरीका आपके लिए काफी असरदार साबित हो सकती है। ध्यान रखें प्यार और शादी के रिश्ते में इस तरह की चुनौतियां आना आम बात है। ऐसी स्थिति में आप अपने जीवन साथी की समस्याओं से निकलने में सबसे अधिक सहायता कर सकते हैं।

सुविधाओं से ज्यादा सही उत्पाद महत्व रखता है

ऑनलाइन शॉपिंग में अच्छा डिस्काउंट मिल जाता है और घर बैठे सामान भी आ जाता है। लेकिन बड़े सामानों में इन सुविधाओं से ज्यादा सही उत्पाद महत्व रखता है।

केवल लुक पर ना जाएं

कुछ अच्छा दिख रहा है, बस, इसीलिए उसे खरीदने की तैयारी ना कर लें। ऑनलाइन फर्नीचर की प्रस्तुति में कमरे की सज्जा अलग होती है, वैसी आपके घर की नहीं होगी। साथ ही माप का भी ध्यान रखें।

कुछ बातें साफ हों

फर्नीचर को बार-बार बदलना संभव नहीं होगा। इसलिए बेहद सोचकर चुनिए। किस कमरे के लिए लेना है या कमरे की बाकी चीजों के अनुसार लेना है, जूतों के लिए रैक ले रहे हैं या बालकनी के लिए मुड्ढे, जब सब कुछ दिमाग में साफ होगा तो चुनने में आसानी होगी।

मेल का ख्याल रखें

घर में सारा लकड़ी का फर्नीचर है और आपको मेटल या केन फर्नीचर पसंद आ जाता है। इसलिए जो भी फर्नीचर चुनें तो पहले जगह निर्धारित कर लें कि उसे कहां रखेंगे, ताकि वो बाकी फर्नीचर के साथ बेमेल ना लगे। हां, कुछ बदलाव चाहते हैं तो ऐसे फर्नीचर का भी चुनाव कर सकते हैं जो एक दूसरे के पूरक हों।

ये पहले पता करें

फर्नीचर बुक करते समय यह भी जानकारी लें कि फर्नीचर को असेंबल करने की सुविधा दी जा रही है या नहीं। यदि हां तो किस समय तक असेंबल होगा। साथ ही डिसमेंटल करने के बारे में भी कंपनी की सुविधाओं को जान लें। क्योंकि अगर आपको घर बदलना पड़ा और आपका फर्नीचर लिफ्ट के जरिए या सीढ़ियों से जाना पड़ा, तो क्या संभव होगा। इन सभी बातों पर गौर करें।

यह भी समझें

मटेरियल पर भी ध्यान दें। किस तरह की लकड़ी का इस्तेमाल किया गया है, फर्नीचर पर यदि कपड़ा चढ़ा है तो वह किस गुणवत्ता का है। इन सभी बातों को नजरअंदाज ना करें। वेबसाइट पर उत्पाद के नीचे फर्नीचर के मटेरियल की सारी जानकारी होती है, उसे ध्यान से पढ़ें। इसके अलावा कस्टमर के रिव्यू भी देख लें, ताकि पता चल सके कि फर्नीचर में क्या खराबी आ सकती है या किन बातों का ख्याल आपको रखना पड़ेगा।

खास मौके के लिए

यदि किसी खास मौके (त्योहार, फंक्शन आदि) के लिए फर्नीचर बुक कर रहे हैं, ताकि उस खास दिन घर अलग लगे, तो आखिरी समय का इंतजार ना करें। ये भी हो सकता है कि फर्नीचर डिलीवरी के दौरान किसी तरह की टूट-फूट हो जाए। ऐसे में उसे बदलना होगा जिसमें वक्त लग सकता है। इसलिए पहले ही मंगा लें और बदलने के लिए भी कुछ दिनों की गुंजाइश रखें।

गुणवत्ता की परख

ऑनलाइन खरीदारी में गुणवत्ता पता करना जरा मुश्किल होता है। इसलिए किसी भी वेबसाइट पर अच्छी डील या डिस्काउंट के कारण ना जाएं, बल्कि फर्नीचर के लिए जानी-मानी कंपनी की वेबसाइट से ही खरीदारी करें।

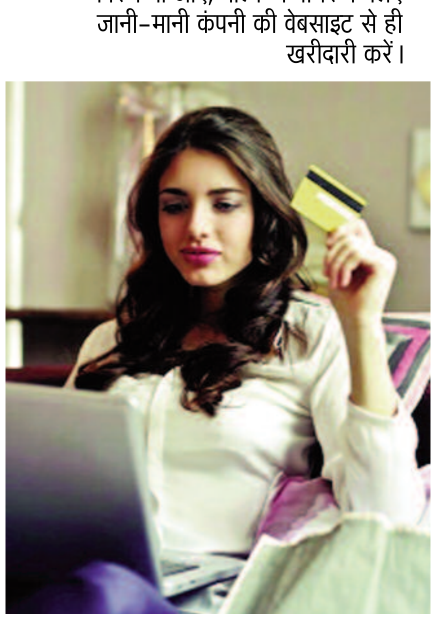

विंटेज लुक के लिए फोकस करें जरूरी हेयरस्टाइल पर

कई बार हम पुराने दिनों को याद करते हैं और उन्हीं दिनों में वापिस लौट जाना चाहते हैं। लेकिन वो कहते हैं ना कि बीता हुआ समय वापिस लौटकर नहीं आता। ऐसे में आप पुराने दिनों को तो वापिस नहीं ला सकते, लेकिन पुराने जमाने के लुक्स को रिक्रिएट करके पुरानी यादों को ताजा अवश्य किया जा सकता है। खासतौर से, एक विंटेज लुक के लिए सबसे जरूरी है हेयरस्टाइल पर फोकस करना।

अगर आपने ध्यान दिया हो तो आपने अवश्य पाया होगा कि पुराने समय में कुछ खास हेयरस्टाइल्स को बेहद पसंद किया जाता था। लेकिन अब उन हेयरस्टाइल्स को कोई नहीं बनाता। ऐसे में अगर आप अपने लुक में एक बदलाव चाहती हैं और कुछ अलग करना चाहती हैं तो ऐसे में इन हेयरस्टाइल्स को बना सकती हैं। इन्हें बनाना इतना भी मुश्किल नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही विंटेज हेयरस्टाइल्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपके बालों में भी बेहद अच्छे लगेंगे-

वेव्स हेयरस्टाइल्स

जब विंटेज लुक की बात होती है तो ऐसे में बालों को कर्ल करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके लिए आप पहले बालों को कर्ल करें। इसके बाद, आप फ्रंट से भी बालों को अंदर की तरफ कर्ल करें। यह आपके बालों को एक डिफरेंट लुक मिलेगा। इसके बाद, आप बालों में हेडबैंड लगाएं। बस आपका हेयरस्टाइल रेडी है।

बंडाना विंटेज हेयरस्टाइल

यह हेयरस्टाइल ना केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि आपके बालों को एक डिफरेंट लुक देता है। इसके लिए, आप फ्रंट से थोड़े बालों को साइड पार्टिंग करके उसे रोल करें। अब आप बचे हुए बालों को पीछे ले जाएं और बन बनाएं। आप इसे पिन की मदद से फिक्स करें। आखिरी में, अपने हेयरस्टाइल को बंडाना की मदद से और भी अधिक खूबसूरत बनाएं।

साइड स्वेप्ट विंटेज हेयरस्टाइल

यह साइड स्वेप्ट विंटेज हेयरस्टाइल आपके लुक को केजुअल्स में भी खास बनाता है। इसके लिए आप फ्रंट से थोड़े हेयर लेकर उसे रोल करें और फिर पिन की मदद सिक्योर करें। इसके बाद आप फ्रंट के दोनों साइड्स के हेयर्स को भी रोल करें और पिन की मदद से सिक्योर करें। अब आप अपनी हेयर लेंथ को लाइट कर्ल लुक दें।

विंटेज रोल बन हेयरस्टाइल

अगर आप वेडिंग सीजन में या फिर किसी खास अवसर के लिए एक विंटेज लुक क्रिएट कर रही हैं तो ऐसे में आप अपने बालों में पीछे ले जाकर चिग्नॉन हेयरस्टाइल बनाएं और अपने बालों को एक विंटेज लुक देने के लिए आप साइड में रोल बनाकर उसे पिन की मदद से फिक्स करें। यह हेयरस्टाइल बेहद ही एलीगेंट और ब्यूटीफुल लुक देता है।

कर्ल हाफ अप विंटेज हेयरस्टाइल

इसके लिए आपको बालों को कॉम्ब करने के बाद साइड पार्टिंग करनी है। अब आप बालों को बैक में हल्का पफ लुक दें और बालों को पिनअप करें। इसके बाद, बालों को अधिक वॉल्यूम और विंटेज लुक देने के लिए हेयर लेंथ को कर्ल करें। आप कर्ल हेयर को अपने शोल्डर पर फ्लॉन्ट करें। यह विंटेज हेयरस्टाइल हाउस पार्टीज आदि के लिए एक अच्छा ऑप्शन है।

बॉब कट विंटेज हेयरस्टाइल

अगर आपके बालों को बॉब कट लुक दिया है तो ऐसे में आप बालों को बेहद आसानी से विंटेज लुक दे सकती हैं। इसके लिए आप फ्रंट से बालों को रोल करके सेट करती जाएं। इसके अलावा, आप साइड व पीछे के हेयर्स को भी लूज कर्ल लुक दें।

संक्षिप्त समाचार

फैबइंडिया की बिम बिसेल ने दुनिया को कहा अलविदा

नईदिल्ली, एजेंसी। बिमला नंदा बिसेल का 10 जनवरी को निधन हो गया। वे 92 साल की थीं। उन्हें बिम बिलेस के नाम से भी जाना जाता है। उनका स्वास्थ्य लंबे समय से खराब था। बिम को सांस्कृतिक संरक्षक के तौर पर जान जाता था, लेकिन उनकी बड़ी पहचान फैबइंडिया को नए मुकाम पर पहुंचाने के तौर पर रही है। वे 1958 में फैबइंडिया से एक साथी एक सलाहकार के तौर पर जुड़ी थीं। उन दिनों इस कंपनी को उनके पति जॉन बिसेल चला रहे थे। बिम ने उन दिनों मार्केट को समझा और समय के साथ कपड़ों से जुड़े अपने बिजनेस में कई इनोवेशन किए। जिसके चलते आज ये ग्लोबल कंपनी बन चुकी है। बिम ने कैसे अपने दिमाग से फैबइंडिया को इस मुकाम पर पहुंचाया, चलिए जानते हैं।

अमेरिकी से जुड़े फैबइंडिया के तार– फैबइंडिया की स्थापना अमेरिका के रहने वाले जॉन बिसेल ने की थी। खास बात ये है कि उन्होंने इस कंपनी का भारत में आकर तैयार किया। फैबइंडिया को बनाने की किस्सा भी बेहद दिलचस्प है। दरअसल, 1958 में जॉन को फोर्ड फाउंडेशन की तरफ से 2 साल के लिए भारत भेजा गया था। उनका काम भारत में ग्रामीणों को एक्सपोर्ट के लिए चीजें बनाने के लिए प्रेरित करना था। वे अमेरिकी फर्म सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन में सलाहकार भी थे। भारत में 2 साल के दौरान उन्हें देश से लगाव हो गया। खासकर उन्हें यहां की संस्कृति और हाथों से कपड़े तैयार करने वाले कारीगर बेहत पसंद आए। जिसके बाद उन्होंने भारत में ही रहकर ही काम करने का मन बना लिया।

95,000 रुपए में शुरू हुई कंपनी– जॉन भारत में बुनकरों की कला से वाकिफ थे, तो उन्होंने अपनी दादी से मिले 95,000 रुपए से छोटी–सी कंपनी बनाई। 1960 में बनाई गई इस कंपनी का नाम फैबइंडिया लिमिटेड रखा गया। कंपनी की शुरुआत घर के दो छोटे से कमरों से हुई। यह कंपनी भारत में स्थानीय स्तर पर बने प्रोजक्ट को खरीदकर विदेश भेजने का काम करती थी।

इरेडा के शेयरों में इस समय दांव लगाना रहेगा बुद्धिमानी क्यू3 में कंपनी को हुआ 425 करोड़ का प्रॉफिट

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी के शेयरों की कीमतों में आज यानी शुक्रवार को 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी ने तीसरी तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी की तरफ से दी जानकारी में कहा गया है कि दिसंबर तिमाही में कुल नेट प्रॉफिट 425.50 करोड़ रुपये रहा है। आइए समझते हैं कि इरेडा के शेयर होल्डर्स को आगे क्या कुछ करना चाहिए बीएसई में आज कंपनी के शेयर बढ़त के साथ 218.35 रुपये के लेवल पर खुले थे। कंपनी का इंट्रा–डे हाई 222.75 रुपये है। हालांकि, स्टॉक जब गिरना शुरू हुआ तो यह 3.4 प्रतिशत तक लुढ़क गया। जिसकी वजह से एक वक्त पर कंपनी के शेयर 208.50 रुपये के लेवल पर आ गए।

सालाना आधार पर नेट प्रॉफिट में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी– नवरत्न कंपनी ने बताया है कि सालाना आधार पर उनके नेट प्रॉफिट में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 335.50 करोड़ रुपये रहा था। दिसंबर तिमाही में इरेडा का रेवन्यू 35.60 प्रतिशत के इजाफे के साथ 1698.45 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले दिसंबर तिमाही में कंपनी इरेडा का रेवन्यू 1208.10 करोड़ रुपये रहा था।

आसमान पर चढ़ना शुरू हुआ सोना

80000 के पार पहुंची कीमत, चांदी भी चमकी

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत फिर से बढ़नी शुरू हो गई है। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच इन धातुओं की कीमत में तेजी आई है। गुरुवार को सोना जहां 80 हजार रुपये पार चला गया तो वहीं चांदी भी चमक उठी। चांदी की कीमत 92 हजार रुपये प्रति किलो के आंकड़े को पार कर गई है।

अखिल भारतीय सराफा संघ के मुताबिक गुरुवार को दिल्ली सराफा बाजार में सोने की कीमत 300 रुपये बढ़कर 80300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। बुधवार को सोने की कीमत 80 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। गुरुवार को सोने का भाव 300 रुपये बढ़कर 80300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

कितनी हो गई चांदी की कीमत– गुरुवार को चांदी की कीमत में भी तेजी आई। चांदी 500 रुपये बढ़कर 93000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। एक दिन पहले यानी बुधवार को भी इसमें तेजी आई थी। बुधवार को भी चांदी की कीमत में 500 रुपये का उछाल आया था। इस उछाल के साथ चांदी 92500 रुपये प्रति किलो के आंकड़े को पार कर गई थी।

एमसीएक्स पर भी आई तेजी– सोने और चांदी की कीमत में एमसीएक्स पर भी तेजी देखी गई। एमसीएक्स पर वायदा कारोबार में फरवरी डिलीवरी वाला सोना 247 रुपये बढ़कर 77994 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं वायदा कारोबार में मार्च डिलीवरी वाली चांदी 593 रुपये बढ़कर 91531 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

वैश्विक स्तर पर भी आई तेजी– वैश्विक स्तर पर भी इन धातुओं की कीमत में तेजी देखी गई। वैश्विक स्तर पर कॉमेक्स सोना वायदा 10 डॉलर प्रति औंस बढ़कर 2682.40 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं एशियाई बाजार घंटों में कॉमेक्स चांदी वायदा 0.83 फीसदी बढ़कर 30.95 डॉलर प्रति औंस हो गया।

एक्सपर्ट ने बताया तेजी का कारण– व्यापारियों ने कहा कि पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना (पीबीओसी) की ओर से लगातार दूसरे महीने अपने भंडार में वृद्धि की खबर के बाद इस कीमती धातु में उछाल आया है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, 'शेयर बाजार में जोखिम कम करने की धारणा के चलते इन धातुओं की कीमत में तेजी आई। वहीं सोने की कीमत में तेजी का कारण चीन के कमजोर आर्थिक आंकड़े भी हैं।

फैक्ट्री लाइसेंस के लिए 1 लाख के घूस की डिमांड, एंटरप्रेन्योर ने बयां किया दर्द

नईदिल्ली, एजेंसी। रियालिटी शो– शार्क टैंक इंडिया में जजेज को इंप्रेस करने वाले एंटरप्रेन्योर अमन राय और उनकी टीम को फैक्ट्री लाइसेंस के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा है। अमन राय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स के जरिए इस दर्द को बयां किया है। आईआईटी से पढ़े कारोबारी अमन राय ने दावा किया कि वह अब रिश्वत दिए बिना फैक्ट्री लाइसेंस हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बता दें कि पिछले साल अमन राय और उनकी टीम ने एरोलीप नामक अपने होम जिम स्टार्टअप के साथ शार्क टैंक इंडिया पर 1 करोड़ का सौदा किया था।

क्या है मामला

अमन राय के मुताबिक उन्हें नौकरशाही की लालफीताशाही से जूझना पड़ रहा है, जिससे उनके लिए फैक्ट्री लाइसेंस हासिल करना मुश्किल हो गया है। वह अपनी विनिर्माण सुविधा के लिए फैक्ट्री लाइसेंस हासिल करने की प्रक्रिया में वह एक वेंडर के संपर्क में आए। इस वेंडर ने 70,000 की डिमांड की। राय ने वेंडर को छोड़ने और खुद लाइसेंस के लिए आवेदन करने का फैसला किया, लेकिन उन्हें बताया गया कि लाइसेंस के लिए 1 लाख खर्च करने पड़ेंगे। अपने पोस्ट में अमन राय ने पूरी प्रक्रिया की आलोचना करते हुए पूछा कि एंटरप्रन्योर इस माहौल में कारोबार करने में आसानी की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। अमन राय ने मेक इन इंडिया पर तंज कसते हुए लिखा– मेक इन इंडिया का डार्क साइड।

बर्बाद हो गई रिलायंस के निवेश वाली क्विक कॉमर्स कंपनी!

स्टाफ को 18 महीने से नहीं मिली सैलरी

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस के निवेश वाला इंस्टेंट डिलीवरी प्लेटफॉर्म डन्जो की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कंपनी के को-फाउंडर कबीर बिस्वास अब वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली कंपनी फ्लिपकार्ट के क्विक कॉमर्स ऑपरेशन मिनट्स का नेतृत्व करेंगे। डन्जो की शुरुआत साल 2014 में एक व्हाट्सएप ग्रुप के रूप में हुई थी। इसने बेंगलुरु में पिक-अप और ड्रॉप सर्विस की शुरुआत की और फिर इसे पूरे देश में फैलाया। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल ने साल में 2022 में डन्जो में 24 करोड़ का निवेश किया और कंपनी में सबसे बड़ा शेयरधारक बन गई। इस सौदे के जरिए रिलायंस रिटेल ने डन्जो में 25.8 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। यह देश में हाइपरलोकल डिलीवरी की शुरुआत करने वाली कंपनी थी।

लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इस स्टार्टअप को गंभीर वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कंपनी के कर्मचारियों को 18 महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिला। बिस्वास खुद भी लंबे समय तक बिना वेतन के काम करते रहे। उनके साथी को-फाउंडर मुकुंद झा, दलवीर सूरी और अंकुर अग्रवाल पहले ही कंपनी से किनारा कर चुके थे। बिस्वास ने हाल ही में डन्जो को अलविदा कह दिया था। अब वह फ्लिपकार्ट मिनट्स को संभालेंगे।

भारत का क्विक कॉमर्स सेक्टर– भारत के क्विक कॉमर्स सेक्टर में इसने हाल में एंट्री मारी है जहां उसका मुकाबला ब्लिंकिट, जेप्टो, डन्जो और स्विगी इंस्टामार्ट से है। देश में क्विक कॉमर्स का मार्केट साल 2026 तक 20 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। स्विगी के इंस्टामार्ट, जोमैटो के ब्लिंकिट और जेप्टो ने

खुद को अच्छी तरह बाजार में स्थापित कर लिया है जिससे डन्जो को एक अलग पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। रणनीतिक गलतियां, वित्तीय कुप्रबंधन और परिचालन चुनौतियों की एक श्रृंखला इसके के पतन का कारण बनी।

डन्जो ने 15-20 मिनट की किराने की डिलीवरी सेवा डंजो डेली को जोर-शोर से आगे बढ़ाया। कंपनी का मासिक खर्च 100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया। इसकी वजह आईपीएल का महंगे प्रायोजन और मार्केटिंग अभियान थे। इससे कंपनी की नकदी की खपत बहुत ज्यादा हो गई। जैसे-जैसे कंपनी का नकदी भंडार कम होता गया और फंडिंग भी कम होती गई। इस बीच फ्लिपकार्ट ने कंपनी को खरीदने का प्रस्ताव दिया था लेकिन निवेशकों ने इसका विरोध किया।

कैसे बर्बाद हुई कंपनी

रिलायंस रिटेल भी डन्जो में अतिरिक्त पूंजी लगाने से दूर रही। वित्तीय दबाव बढ़ने के साथ ही कंपनी की आंतरिक स्थिरता चरमरा गई। को–फाउंडर दलवीर सूरी और मुकुंद झा सहित 5 बोर्ड सदस्य चले गए।

कर्मचारियों को महीनों तक वेतन में देरी का सामना करना पड़ा और इस दौरान कई बार छंटनी हुई। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी का घाटा तीन गुना बढ़कर 1,800 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया जबकि रेवेन्यू चार गुना बढ़कर 226 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी पर करीब 6 करोड़ डॉलर का कर्ज है।

सप्ताह में 90 घंटे काम करने वाले बयान पर एलएंडटी की सफाई

कहा- बेहतर परिणाम के लिए असाधारण प्रयास जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। एलएंडटी (लार्सन एंड टूब्रो) के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यन की ओर से काम के घंटों पर की गई टिप्पणी खासी सुर्खियों में रही। अब एलएंडटी ने चेयरमैन सुब्रमण्यन का बचाव करते हुए सफाई दी है। कंपनी की ओर से

जारी बयान में कहा गया है कि बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए असाधारण प्रयास करने की जरूरत होती है। सुब्रमण्यन ने कर्मचारियों से बातचीत के एक वीडियो में कहा था कि उन्हें सप्ताह में 90 घंटे काम करना चाहिए और रविवार को भी छुट्टी नहीं लेनी चाहिए।

इस बयान के बचाव में कंपनी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण हमारे जनादेश का मूल है। बीते 8 दशक से अधिक समय से हम भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर, बिजनेस और तकनीकी क्षमताओं को आकार देने में लगे हैं। हमारा मानना है कि यह भारत का दशक है, एक ऐसा समय जिसमें विकास को और आगे बढ़ाने व एक विकसित राष्ट्र बनने के हमारे साझा दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सामूहिक समर्पण और प्रयास की आवश्यकता है।

कंपनी की ओर से कहा गया कि हमारे चेयरमैन की टिप्पणी इस महत्वाकांक्षा को दर्शाती है कि असाधारण परिणामों के लिए असाधारण प्रयास की आवश्यकता होती है। एलएंडटी में हम एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जहां जुनून, उद्देश्य और प्रदर्शन हमें आगे बढ़ाते हैं।

कर्मचारियों को सप्ताह में 90 घंटे काम करना चाहिए: सुब्रमण्यन

सुब्रमण्यन ने कहा था कि कर्मचारियों को सप्ताह में 90 घंटे काम करना चाहिए और रविवार को भी छुट्टी नहीं लेनी चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों से पूछा, आप अपनी पत्नी को कितनी देर तक घूर सकते हैं उन्होंने कर्मचारियों से घर पर कम और कार्यालय में ज्यादा समय बिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुझे खेद है कि मैं आपको रविवार को काम करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। अगर मैं आपको रविवार को काम करने के लिए बाध्य कर सक सकूं, तो मुझे अधिक खुशी होगी, क्योंकि मैं रविवार को काम करता हूं। सुब्रमण्यन ने आगे सवाल किया कि घर पर रहने के दौरान कर्मचारी क्या करते हैं।

महंगाई में सुधार के लिए आरबीआई की समीक्षा, खाद्य वितरण व ऑनलाइन टैक्सी एग्रीगेटर्स के आंकड़े भी शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने महंगाई और विकास पूर्वानुमान में हो रही गलतियों को कम करने के लिए सभी साधनों की समीक्षा शुरू की है। उन्होंने अपनी टीम के साथ कई बैठक की है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि जो पहले अनुमान लगाए जा रहे थे, उसमें किसी तरह की गलती है या नहीं। दिसंबर की मौद्रिक नीति समिति बैठक में 2024-25 के विकास के आंकड़े को सुधार कर 7.2 प्रतिशत से कम करके 6.6 प्रतिशत किया गया। महंगाई दर का अनुमान 4.5 से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत किया गया। सरकार का अनुमान उससे भी कम हो गया। ऐसा तब हुआ जब जुलाई-सितंबर तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि अप्रत्याशित रूप से गिरकर 5.4 प्रतिशत हो गया था। नवंबर में मुद्रास्फीति फिर से बढ़ गई। सूत्रों के मुताबिक, पुराने अनुमान के साधन और तरीकों की समीक्षा की गई है कि उन्हें जारी रखा जाए, या वापस लिया जाए।

- **आय–खर्च के रुझान समझना जरूरी–** सूत्रों ने कहा, आरबीआई आय और खर्च के रुझान को बेहतर ढंग से मापने के लिए जरूरी डाटासेट बढ़ाने पर विचार करेगा। इसके लिए, छोटे डिजिटल भुगतान के रुझान के साथ–साथ खाद्य वितरण एप और ऑनलाइन टैक्सी एग्रीगेटर्स के डाटा भी शामिल हो सकते हैं। खुदरा व औद्योगिक गतिविधि का आकलन करने के लिए ईंधन उपयोग के विभिन्न घटकों का विवरण भी जोड़ा जा सकता है।
- **अंकुश लगाने की योजना–** मल्होत्रा आंकड़ों पर ज्यादा काम करते हैं। अब वह महंगाई और विकास दोनों पर आरबीआई के पूर्वानुमान गलतियों पर अंकुश लगाना चाहते हैं। आरबीआई अनौपचारिक अर्थव्यवस्था पर एकत्र आंकड़ों का विस्तार करना चाहता है, जिससे वर्तमान में सटीक अनुमान में गलती हो सकती है।
- **भोजन जैसी अस्थिर वस्तुओं का भी सहारा–** मुद्रास्फीति के अनुमानों में सुधार करने के लिए भोजन जैसी अस्थिर वस्तुओं में मूल्य में उतार–चढ़ाव को रोकने के लिए मशीन लर्निंग टूल का उपयोग होगा। मुद्रास्फीति पर आरबीआई के पूर्वानुमान आम तौर पर गलत हो जाते हैं क्योंकि खाद्य कीमतें काफी अस्थिर होती हैं। आरबीआई थोक बाजार के आंकड़ों पर निर्भर रहता है, जिससे गलतियां होती है। जो भी बदलाव किए जाएंगे उनका असर फरवरी के नीतिगत अनुमानों में देखने को मिल सकता है।

रिपोर्ट: योजनाएं पसंद आईं तो बढ़ी 1.8 करोड़ महिला मतदाताओं की संख्या

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र और विभिन्न राज्यों की ओर से शुरू की गई महिला केंद्रित कल्याण योजनाओं के चलते 2019 की तुलना में 2024 में महिला मतदाताओं की संख्या में 1.8 करोड़ का इजाफा हुआ है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो दशक में 9 करोड़ मतदाता बढ़े हैं जिनमें से 5.3 करोड़ यानी 58 फीसदी महिला हैं।

एसबीआई की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में जो 1.8 करोड़ महिला मतदाता बढ़ी हैं, उनमें चार योजनाओं का सबसे अधिक योगदान रहा है। इनमें 45 लाख महिला मतदाताओं की संख्या साक्षरता के कारण बढ़ी है। 36 लाख संख्या रोजगार जैसे मुद्रा योजना के कारण बढ़ी है। 20 लाख पीएम आवास योजना के कारण तो 21 लाख संख्या स्वच्छता के चलते बढ़ी है। इनके अलावा इलेक्ट्रिसिटी, पीने के पानी जैसे साधनों से भी संख्या में तेजी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 19 लाभार्थी राज्यों में 2024 में औसतन 7.8 लाख महिला मतदाता बढ़ी हैं। 2019 में कम योजनाओं के कारण औसत बढ़त केवल 2.5 लाख थी। पिछले 10 साल में भले ही कुल मतदाताओं की संख्या मे तेजी आई है, बावजूद इसके मतदान प्रतिशत में गिरावट आई है। एक दशक में 14.4 करोड़ मतदाता बढ़े जबकि 9.2 करोड़ ने वोट डाला। 2014 में मतदान का औसत प्रतिशत 66.4 फीसदी रहा था जो 2024 में घटकर 66 फीसदी हो गया।

जर्मनी, फ्रांस व स्पेन के बाद भारत में सबसे अधिक मतदान

रिपोर्ट बताती है कि जर्मनी, फ्रांस और स्पेन के बाद भारत में सबसे अधिक मतदान होता है। उदाहरण के तौर पर 2024 में जर्मनी में 76.6 प्रतिशत मतदान, फ्रांस में 66.6 फीसदी, स्पेन में 66.6 फीसदी और भारत में 66.1 फीसदी मतदान हुआ था। अमेरिका में 63.9 फीसदी और इटली में 63.8 फीसदी लोगों ने वोट डाले थे।

10 मिनट में फूड डिलीवरी पर एनआरएआई ने उठाए सवाल, क्रैश हुए जोमैटो-स्विगी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच शुक्रवार को ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाली कंपनियों के शेयर में बड़ी गिरावट देखी गई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन ट्रेडिंग के दौरान फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी और जोमैटो के शेयरों में 3.6 फीसदी तक की गिरावट आई। स्विगी के शेयर 490 रुपये के नीचे आ गए तो जोमैटो के शेयर की कीमत 240 रुपये से कम हो गई। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब नेशनल रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने जोमैटो और स्विगी के खिलाफ भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से संपर्क किया है।

क्या है मामला: दरअसल, जोमैटो और स्विगी द्वारा प्राइवेट लेबलिंग और अलग-अलग ऐप के जरिये क्विक कॉमर्स फूड डिलिवरी में उनके हालिया कदम का विरोध करते हुए एनआरएआई ने सीसीआई से संपर्क किया है। एनआरएआई के मुताबिक, दो फूड डिलिवरी दिग्गजों का ब्लिंकिट बिस्ट्रो और स्विगी स्नैक जैसे अपने स्वयं के क्विक कॉमर्स मंच के जरिये प्राइवेट लेबल वाला खाना पहुंचाना बाजार की निरपेक्षता का बुनियादी तौर पर उल्लंघन करता है, जिससे प्रतिस्पर्धा का असमान स्तर तैयार होता है।

एनआरएआई के अध्यक्ष सागर दरयानी ने कहा- हम इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हैं कि जोमैटो और स्विगी निजी लेबलिंग कर रहे हैं और खुद ही भोजन बेच रहे हैं। जोमैटो ब्लिंकिट के अलग बिस्ट्रो ऐप के जरिये और स्विगी ने त्वरित भोजन वितरण के लिए स्नैक पेश किया है। एनआरएआई के मुताबिक जोमैटो और स्विगी अपने नेटवर्क डेटा का लाभ उठाकर निजी लेबल वाले भोजन वितरण में सीधे या अपनी सहायक कंपनी के माध्यम से प्रवेश कर रही हैं। यह रणनीति न केवल इन मंच पर निर्भर रेस्तरां के कारोबार को नष्ट करती है, बल्कि कॉपीराइट अधिनियम और संबंधित कानूनों के तहत गंभीर चिंताएं भी पैदा करती है।

स्नैक और बिस्ट्रो हुए हैं लॉन्च: बता दें कि स्विगी द्वारा स्नैक को 15 मिनट के भीतर नाश्ता, ड्रिंक और भोजन वितरित करने के लिए डिजाइन किया गया है। वहीं, जोमैटो ने ब्लिंकिट के जरिए हाल ही में बिस्ट्रो पेश किया है, जो एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो 10 मिनट के भीतर स्नैक्स, भोजन और ड्रिंक्स की डिलीवरी का दावा करता है।

तेंदुलकर, गावस्कर समेत कई वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मनाने के कार्यक्रम में शामिल होंगे

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के दिग्गज क्रिकेटर और भारतीय टीम के पूर्व कप्तान 19 जनवरी को प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम 12 जनवरी को शुरू होंगे और 19 जनवरी को एक भव्य मुख्य कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक शाम होगी। सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रवि शास्त्री, अजिंक्य रहाणे, दिलीप वेंगसरकर और डायना एडुल्जी समेत मुंबई के दिग्गज और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान वानखेड़े स्टेडियम के ऐतिहासिक महत्व को मनाने के लिए एकजुट होंगे। यह उत्सव खेल की विरासत में स्टेडियम की महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करने का वादा करता है। मुख्य कार्यक्रम में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों से मुंबई के दिग्गज पुरुष और महिला खिलाड़ी भी शामिल होंगे। उपस्थित लोग प्रसिद्ध कलाकारों अवधूत गुप्ते और अजय-अतुल के प्रदर्शन और लुभावने लेजर शो का आनंद ले सकते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, जैसा कि हम प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, मैं सभी क्रिकेट प्रशंसकों को इस महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा बनने के लिए हार्दिक आमंत्रित करता हूं। हमारे दिग्गज नायक इस समारोह में हमारे साथ शामिल होंगे, और साथ मिलकर हम वानखेड़े स्टेडियम की समृद्ध विरासत को श्रद्धांजलि देंगे जो मुंबई का गौरव है। आइए इस उत्सव को वास्तव में अविस्मरणीय बनाएं। समारोह के एक भाग के रूप में, एमसीए के पदाधिकारी और शीर्ष परिषद के सदस्य 19 जनवरी को एक कॉफी टेबल बुक जारी करेंगे। वानखेड़े स्टेडियम की प्रतिष्ठित विरासत को सम्मानित करने के लिए एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया जाएगा। उत्सव सप्ताह के दौरान, एमसीए 12 जनवरी को एमसीए अधिकारियों और महावाणिज्यदूत नौकरशाहों के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन करेगा।

विशेष आम बैठक रविवार को, आईसीसी चेयरमैन जय शाह को किया जाएगा सम्मानित

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की राज्य इकाइयां बोर्ड की रविवार को यहां होने वाले विशेष आम बैठक (एसजीएम) से इतर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जय शाह को सम्मानित करेंगी। बीसीसीआई के पूर्व सचिव शाह पिछले साल अगस्त में निर्विरोध चुने जाने के बाद सबसे कम उम्र के आईसीसी चेयरमैन बने। उन्होंने एक दिसंबर को पदभार संभाला। शाह ने ग्रेग बार्कले का स्थान लिया जिन्होंने तीसरा कार्यकाल नहीं लेने का फैसला किया। शाह अक्टूबर 2019 से बीसीसीआई सचिव और जनवरी 2021 से एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष थे। शाह बीसीसीआई के नए सचिव और कोषाध्यक्ष के चुनाव के लिए बुलाई गई एसजीएम में विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।

चक्रवर्ती के पास इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की टीम में जगह बनाने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। कलाई के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की टीम में जगह बनाने के लिए एक बाहरी मौका बनकर उभरे हैं। सूत्रों ने आईएएनएस को यह जानकारी दी। भारत 22 जनवरी को कोलकाता में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगा। इसके बाद वह चैंपियंस ट्रॉफी अभियान के लिए दुबई जाएगा। टूर्नामेंट के बाकी आधे मैचों की मेजबानी पाकिस्तान करेगा। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली सीनियर पुरुष चयन समिति शनिवार को बैठक करेगी, जिसमें पहले बताए गए कार्यों के लिए टीमों का चयन किया जाएगा, खासकर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अंतिम टीम की घोषणा करने की आखिरी तिथि रविवार है। सूत्रों ने बताया कि चक्रवर्ती के लिए भारत की ओर से वनडे मैचों में चयन की संभावना, टी20 टीम में जगह पक्की होने के अलावा, ऐसे समय में है जब उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में 18 विकेट चटकाए हैं और वे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिसमें लगातार पांच विकेट शामिल हैं। बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की जीत में शानदार प्रदर्शन करने वाले चक्रवर्ती ने विजय हजारे ट्रॉफी के प्री क्वार्टर फाइनल मैच में तमिलनाडु के लिए 52 रन देकर 5 विकेट चटकाए, हालांकि इससे उन्हें वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में राजस्थान पर जीत नहीं मिली।

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 और वनडे सीरीज से बाहर हुए राहुल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले टी20 और वनडे सीरीज में भारतीय टीम के लिए खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचो की टी20 सीरीज और उसके बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। दोनों देशों के बीच पहले टी20 सीरीज खेली जाएगी जिसकी शुरुआत 22 जनवरी को कोलकाता में होगी।

केएल राहुल को इंग्लैंड के खिलाफ क्रिकेट सीरीज के लिए आराम दिया गया है, लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम के सेलेक्टर्स ने उनसे कहा है कि उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम में चुना जाएगा जिसका आयोजन पाकिस्तान में किया जाएगा। केएल राहुल ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भारत के लिए विकेटकीपर की भी भूमिका निभाई थी और इस बार भी उनसे कुछ ऐसे ही रोल की उम्मीद की जा रही है, लेकिन ऋषभ पंत के रहते क्या वो विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे ये भी एक बड़ा सवाल होगा। पंत को अगल वनडे की प्लेइंग इलेवन में जगह दी जाती है तो फिर राहुल बतौर बल्लेबाज टीम का हिस्सा हो सकते हैं।

केएल राहुल पिछले काफी वक्त से भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वनडे प्रारूप में वो विकेटकीपर के रूप में टीम के पहले विकल्प हो सकते हैं जो मध्यक्रम में लगातार रन बनाते आ रहे हैं। उन्होंने हाल ही में खत्म हुए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत के लिए ओपनर की जिम्मेदारी निभाई थी। वहीं दूसरी तरफ केएल राहुल ने फैसला किया है कि वो विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट में कर्नाटक के लिए खेलेंगे। कर्नाटक की टीम नॉकआउट स्टेज में पहुंच गई है और केएल राहुल इसमें खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

सूर्यकुमार की कप्तानी में इन 3 देशों को लगातार हरा चुका है भारत

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था और इसके बाद उन्होंने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले ली थी। रोहित शर्मा के बाद भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान सूर्यकुमार यादव को बनाया गया और उनके कप्तान बनने के बाद टीम इंडिया लगातार सफलता का स्वाद चख रही है। अब भारत को उनकी कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा लेना है।

सूर्या की कप्तानी में भारत जीत चुका है लगातार 3 टी-20 सीरीज

सूर्यकुमार यादव को जब भारतीय टी20 क्रिकेट टीम का फुल टाइम कप्तान बनाया गया था उससे पहले भी उन्होंने टीम की कप्तानी की थी और उनका प्रदर्शन बतौर कप्तान अच्छा रहा था। सूर्यकुमार के फुल टाइम कप्तान बनने के बाद भारत ने पहली टी20 सीरीज श्रीलंका के खिलाफ खेली थी और 3 मैचों की इस सीरीज में भारत ने श्रीलंका को 3-0 से हराया था। इसके बाद भारत ने उनकी कप्तानी में बांग्लादेश के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज खेली थी जिसमें टीम इंडिया को 3-0 से जीत मिली थी। इसके बाद भारत ने साउथ अफ्रीका दौरे पर उनकी कप्तानी में 4 मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा लिया था और भारत ने वहां अपना झंडा बुलंद करते हुए

इंडिया-इंग्लैंडः अब इंग्लैंड को धूल चटाने की बारी

इस सीरीज को 3-1 से जीत लिया था। यानी उनकी कप्तानी में भारत ने तीन लगातार टी20 सीरीज में जीत र्ज की है और अब भारत के पास इंग्लैंड को हराकर लगातार 4 टी20 सीरीज अपने नाम करने का शानदार मौका है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने अब तक कुल 17 मैच खेले हैं जिसमें भारत को 13 मैचों में जीत मिली है जबकि 3 मैचों में हार मिली है और एक मैच टाई रहा है।

भारत के पास इंग्लैंड को हराने का शानदार मौका

भारत को इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा लेना है और इंग्लैंड की टीम काफी मजबूत है, लेकिन भारत को अपनी धरती पर खेलने का फायदा मिलेगा और सूर्यकुमार यादव के पास इंग्लिश टीम के खिलाफ टी20 सीरीज जीतने का अच्छा मौका है। सूर्यकुमार यादव बतौर कप्तान पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच अब तक कुल 24 टी20 मैच खेले गए हैं जिसमें भारत को 13 मैचों में जीत मिली है जबकि इंग्लैंड ने 11 मैचों में जीत दर्ज की है। भारतीय धरती पर दोनों देशों के बीच 11 मैच खेले गए हैं जिसमें टीम इंडिया को 6 मैचों में जीत मिली है जबकि इंग्लैंड को 5 मैच में जीत मिली है।

एस-टी-20 2025

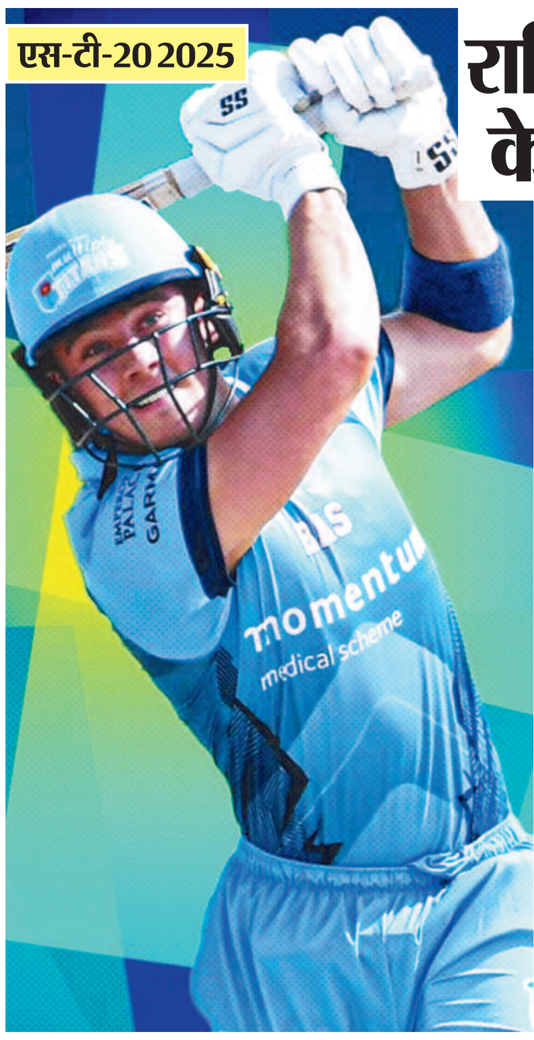

राशिद खान की कप्तानी में एमआई केपटाउन को मिली बड़ी जीत

डेलानो पोटगीटर ने झटके 5 विकेट, डेवाल्ड ब्रेविस ने खेली तूफानी पारी

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका टी20 लीग 2025 का पहला मुकाबला एमआई केपटाउन और सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच खेला गया। इस मैच में राशिद खान की कप्तानी वाली केपटाउन को 97 रन से बड़ी जीत मिली और इस टीम ने टूर्नामेंट का आगाज जीत के साथ शानदार तरीके से किया। डेलानो पोटगीटर को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

एमआई केपटाउन की जीत में छोटे एबी डिवियर्स यानी डेवाल्ड ब्रेविस की तूफानी पारी साथ ही डेलानो पोटगीटर की घातक गेंदबाजी का बड़ा योगदान रहा। इस मैच में एडन मार्करम की कप्तानी वाली सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था और इसके बाद केपटाउन ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 174 रन बनाए, लेकिन इसके जवाब में मार्करम की टीम दूसरी पारी में 15 ओवर में 77 रन पर ही निपट गई।

केपटाउन के लिए सबसे बेहतरीन पारी डेवाल्ड ब्रेविस ने खेली जिन्होंने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों पर 57 रन ठोक गिए और इस दौरान उनके बल्ले से 6 छक्के और 2 चौके निकले। ब्रेविस का स्ट्राइक रेट उनकी पारी के दौरान 196.55 का रहा। इसके अलावा केपटाउन के लिए कॉलिन इनग्राम ने 22 रन जबकि कॉनर एस्टरहुइजन ने भी इतने ही रन बनाए। जॉर्ज लिंडे ने भी 17 गेंदों पर नाबाद 23 रन की पारी खेली। कप्तान राशिद खान इस मैच में गोल्डन डक का शिकार हुए। सनराइजर्स के लिए मार्को यानसेन और रिजर्ड ग्लिसन ने 2-2 विकेट झटके। सनराइजर्स की टीम पिछले दो सीजन की विनर रही है, लेकिन केपटाउन के सामने पहले ही मैच में ये टीम फिसड्डी साबित हुई। डेलानो पोटगीटर की घातक गेंदबाजी के सामने इस टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह से ध्वस्त हो गई। डेलानो ने इस मैच में 3 ओवर में 10 रन देकर 5 विकेट लिए जबकि ट्रेंट बोल्ड ने 3 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट झटके। राशिद खान ने 3 ओवर में 25 रन दिए, लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। सनराइजर्स की तरफ से कप्तान मार्करन ने सबसे बड़ी 19 रन की पारी खेली जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने 13 रन जबकि मार्को यानसेन ने 14 रन की पारी खेली।

टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का दावा

ऑस्ट्रेलिया में हिरासत के दौरान उन्हें जहर दिया गया था

मेलबर्न, एजेंसी। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन के वीज़ा विवाद के समय हिरासत के दौरान उन्हें जहरीला खाना खिलाया गया था, इससे पहले कि उन्हें सीज़न के पहले मेजर की पूर्व संध्या पर निर्वासित कर दिया गया। 24 बार के मेजर विजेता का 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले ऑस्ट्रेलिया के कोविड-19 प्रवेश नियमों और उनके बिना टीकाकरण की स्थिति के कारण वीज़ा रद्द कर दिया गया था। उन्हें शुरू में वीज़ा छूट दी गई थी, लेकिन बाद में ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल ने इसे रद्द कर दिया जिसके परिणामस्वरूप उन्हें मेलबर्न के एक होटल में शरणार्थियों के साथ हिरासत में रखा गया। जोकोविच ने जीक्यू को बताया, मुझे एहसास हुआ कि मेलबर्न के उस होटल में मुझे कुछ ऐसा खाना खिलाया गया था जिससे मुझे ज़हर हो गया था। जब मैं सर्बिया वापस आया तो मुझे कुछ पता चला। मैंने कभी किसी को सार्वजनिक रूप से यह नहीं बताया... मेरे शरीर में भारी धातु का स्तर बहुत ज़्यादा था। मेरे शरीर में सीसा और पारा का स्तर बहुत ज़्यादा था।

अश्विन की पंत को सलाह, इस तरह हर मैच में जड़ सकते हैं शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि अगर ऋषभ पंत अपने आक्रामक और रक्षात्मक खेल के बीच संतुलन बनाने में सफल रहते हैं तो वह प्रत्येक मैच में शतक बना सकते हैं। अकेले दम पर मैच का रुख पलटने की पंत की क्षमता की सराहना करते हुए अश्विन ने कहा कि उनके कई शॉट बहुत जोखिम वाले होते हैं जिसके कारण वह अपनी क्षमता का सही आकलन नहीं कर पाते हैं।

पंत ने हाल ही में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें मैच की पहली पारी में अपने रक्षात्मक खेल का शानदार नमूना पेश करते हुए 40 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उन्होंने भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'हमें उसे ठीक से बताना होगा कि अगर उसे ठोस बल्लेबाजी करनी है या किसी इरादे के साथ बल्लेबाजी करनी है तो उसे क्या करना है। उसने बहुत सारे रन नहीं बनाए हैं, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उसने रन नहीं बनाए हों। उसके पास अभी बहुत समय है। उन्होंने कहा, 'ऋषभ पंत को अभी तक भी अपनी पूरी क्षमता का अहसास नहीं हुआ है। उसके पास सभी तरह के शॉट हैं - रिवर्स स्वीप, स्लॉग स्वीप, सब कुछ - लेकिन समस्या यह है कि ये सभी शॉट बहुत जोखिम वाले हैं। अगर वह अपने रक्षात्मक खेल पर भी ध्यान दे और 200 गेंद का सामना करें तो

वह हर मैच में बड़ा स्कोर बना सकता है। हाल ही में संन्यास लेने वाले अश्विन ने कहा, 'मुख्य मसला संतुलन बनाने का है। अगर वह ऐसा करने में सफल रहता है तो फिर प्रत्येक मैच में शतक बना सकता है। उसे बीच का रास्ता ढूंढना होगा।

पंत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट की पहली पारी में 98 गेंदों में 40 रन और उसके बाद दूसरी पारी में 33 गेंदों में 61 रन बनाए। अश्विन ने कहा, ''पंत ने सिडनी टेस्ट में विपरीत अंदाज वाली दो पारियां खेली। उन्होंने पहली पारी में रक्षात्मक बल्लेबाजी करते हुए 40 रन बनाए जिसकी कोई चर्चा नहीं हुई। यह सही नहीं है। दूसरी पारी में उन्होंने जोरदार अर्धशतक बनाया, जिससे उन्हें काफी प्रशंसा मिली। हर कोई उस पहली पारी को भूल गया और दूसरी पारी के लिए उनकी प्रशंसा की। पंत की रक्षात्मक तकनीक के बारे में बात करते हुए अश्विन ने कहा,''हमें इस पर गौर करना चाहिए कि ऋषभ पंत शायद ही कभी रक्षात्मक बल्लेबाजी करते हुए आउट हुआ हो। उसके पास विश्व क्रिकेट की सबसे अच्छी रक्षात्मक तकनीक में से एक है। मैंने उसे नेट्स पर काफी गेंदबाजी की है, वह आउट नहीं हुआ। गेंद उसके बल्ले का किनारा लेकर नहीं जाती। वह एलबीडब्ल्यू नहीं होता। उसकी रक्षात्मक तकनीक बहुत अच्छी है और मैंने उसे यही बताने की कोशिश की है।

प्रियंका चोपड़ा

एडम ग्रेव्स की ऑस्कर-योग्य शॉर्ट फिल्म अनुजा में कार्यकारी निर्माता के रूप में जुड़ीं

पति और पत्नी की टीम, एडम जे. ग्रेव्स (निर्देशक) और सुचित्रा मट्टई (निर्माता) द्वारा तैयार की गई अनुजा, दो बहनों की एक प्रेरक कहानी बताती है जो अपने शोषण और बहिष्कार के इरादे वाली दुनिया में खुशी और अवसर खोजने के लिए संघर्ष कर रही हैं। यह सशक्त शॉर्ट स्टोरी नौ साल की अनाथ अनुजा पर आधारित है, जो अपनी बड़ी बहन पलक के साथ बैक-एली गारमेंट फैक्ट्री में काम करती है, जब अचानक उसे एक दुर्लभ अवसर मिलता है जो उसके भविष्य और परिवार की किस्मत तय करेगा।

अनुजा ने 2024 हॉलीशॉर्ट्स फिल्म फेस्टिवल में ऑस्कर-क्वालीफाइंग लाइव एक्शन शॉर्ट अवार्ड जीता और उसे 2025 ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। प्रियंका चोपड़ा जोनस को उनकी महत्वपूर्ण भूमिका में कार्यकारी निर्माता के रूप में टीम में शामिल किया गया है। जब नौ साल की अनाथ अनुजा, एक स्थानीय कपड़ा फैक्ट्री में अपनी बहन के साथ काम करने के लिए स्कूल छोड़ देती है, तो वह खुद को एक ऐसे विकल्प का सामना करती है जो उसके भविष्य और उसके परिवार के भाग्य का निर्धारण करेगा। प्रियंका चोपड़ा जोनास एक बहु-प्रतिभाशाली कलाकार और न्यूयॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलिंग लेखिका हैं, जिन्होंने लगभग 25 वर्षों तक वैश्विक दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। उनके विविध काम ने उन्हें एक अभिनेता और निर्माता दोनों के रूप में कई पुरस्कार प्राप्त किया हैं।

वह जल्द ही प्राइम वीडियो के बहुप्रतीक्षित फीचर फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट्स में इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ द ब्लफ और प्राइम वीडियो की हिट सीरीज सिटाडेल के सीज़न दो में अभिनय करेंगी। प्रियंका ने ऑस्कर नामांकित और पुरस्कार विजेता फीचर डॉक्यूमेंट्री टू किल ए टाइगर का कार्यकारी निर्माता के रूप में प्रोड्यूस किया और उन्होंने नेटफ्लिक्स की ऑस्कर-नामांकित फिल्म द व्हाइट टाइगर में अभिनय और कार्यकारी निर्माण दोनों का हिस्सा रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनास का कहना हैं यह खूबसूरत फिल्म एक ऐसे विषय पर प्रकाश डालती है जो दुनिया भर के लाखों बच्चों को प्रभावित करती है, जिन्हें अपने वर्तमान की तात्कालिक वास्तविकताओं के बीच और उस भविष्य के बीच असंभव निर्णय का सामना करना पड़ता है जिसे वे अभी तक नहीं देख सकते हैं।

मनोज ने पत्रकार को लगाई लताड़

मनोज बाजपेयी ने सोशल मीडिया पर एक एक्सक्लूसिव खबर का लिंक शेयर करते खबर बनाने वाले पत्रकार को लताड़ लगाई है। मनोज बाजपेयी ने कथित तौर पर केके मेनन के साथ अपनी आने वाली फिल्म को लेकर पत्रकार से सवाल किया है। एक्टर ने पत्रकार से ट्वीट कर पूछा कि ऐसा कब हुआ? इस कमेंट के जवाब में पत्रकार ने मनोज बाजपेयी से माफी मांगी है।

पत्रकार ने दिया ऐसा जवाब

मनोज बाजपेयी के सवाल पर पत्रकार ने भी जवाब दिया है। इसका जवाब देते हुए उस पत्रकार ने कहा कि माफी सर, शायद से गलत खबर मिल गई और छप गई। हम इस बात का ध्यान रखेंगे।

ऐसा है पूरा मामला

दरअसल, इस पत्रकार ने मनोज बाजपेयी और केके मेनन की फिल्म को लेकर एक खबर छापी, इसमें दावा किया गया कि नीरज पांडे दोनों अभिनेताओं को लेकर एक फिल्म बनाने जा रहे हैं। फिल्म में दोनों ही अभिनेता मुख्य भूमिका में होंगे। खबर में यह भी दावा किया गया कि मनोज बाजपेयी की इस फिल्म की शूटिंग मई 2025 में शुरू होने वाली है। दोनों अभिनेता 6 महीने तक इसी फिल्म में बिजी रहेंगे। फिल्म का प्रीमियर साल 2026 में नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा।

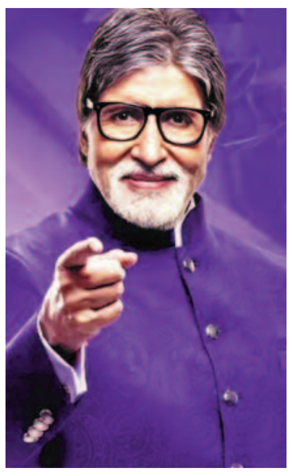

'केबीसी' को लेकर सोनी चैनल में घमासान

प्रबंधन के रवैये से बेहद खफा अमिताभ बच्चन ने शूटिंग टाली

टेलीविजन चैनल सोनी का माहौल इसका निजाम बदलने के बाद से ठीक नहीं है। पहले तो इसके तमाम नए धारावाहिक इस वजह से रद्द कर दिए गए कि इनकी कोई टीआरपी ही नहीं आ रही तो इन पर निवेश करने से क्या फायदा? फिर पुराने धारावाहिक 'सीआईडी' ने आते ही अपने नए सीजन में 'कौन बनेगा करोड़पति' से ज्यादा टीआरपी लाकर नया बवाल कर दिया है।

क्या टीआरपी में 'सीआईडी' से पिछड़ने के बाद 'कौन बनेगा करोड़पति' को बंद कर देने का फैसला कर लिया गया है? इस सवाल का जवाब देने के लिए टीवी चैनल सोनी चैनल में बीते तीन दिन से कोई तैयार नहीं है। लेकिन, 'कौन बनेगा करोड़पति' की शूटिंग अगर बुधवार को नहीं हुई होती तो चैनल के पास कल गुरुवार रात दिखाया गया एपिसोड तक तैयार नहीं था। बुधवार को सिर्फ दो एपिसोड की शूटिंग हो पाई है। एक गुरुवार को दिखाया जा चुका है। दूसरा शुक्रवार को प्रसारित हो जाएगा।

केआरके की आलोचना से परेशान उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डाकू महाराज के गाने 'दबिड़ी दीबिड़ी' को लेकर काफी चर्चा में चल रही हैं। सोशल मीडिया पर गाने के स्टेप्स की काफी आलोचना हो रही है। इसी क्रम में केआरके ने भी गाने के स्टेप्स को काफी वल्गर बताया था। अब उर्वशी रौतेला ने केआरके की ट्रोलिंग का मुंहतोड़ जवाब दिया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

केआरके ने गाने को बताया था अश्लील

केआरके ने गाने को ट्रोल करते हुए कहा कि उर्वशी को ऐसे अश्लील डांस स्टेप्स करने के लिए शर्म आनी चाहिए। एक्स पर उनके पोस्ट में लिखा था, तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को ऐसे अश्लील गाने शूट करने में शर्म नहीं आती? तो बेहतर है कि एडल्ट फिल्में बनाना शुरू कर दें। उर्वशी को भी ऐसे गाने करने के लिए शर्म आनी चाहिए।

करिश्मा कपूर ने बताया 2025 को लेकर उन्होंने क्या बनाए नियम

सोशल मीडिया पर सक्रिय अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने 2025 के संकल्पों पर बात की। पोस्ट के अनुसार अभिनेत्री नए साल में खुद को ही प्राथमिकता देती दिखेंगी। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 2025 के नियम, जो आपको बुलाए उसे कॉल करें। जो आपसे मिलने आए उसे मिलें। जो आपको अनदेखा करे उसे अनदेखा करें।

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री जिन्हें प्यार से लोलो कहा जाता है, सोशल मीडिया पर प्रशंसकों के साथ नए-नए पोस्ट संग रूबरू होती रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें वह काले रंग की पोशाक में नजर आई थीं। उन्होंने तस्वीर को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा था, ब्लैक एंड बोल्ड। करिश्मा ने पिछले महीने अपने दादा राज कपूर की 100वीं जयंती के अवसर पर 'इंडियन आइडल' के एक स्पेशल एपिसोड में एक दिल छू लेने वाला किस्सा साझा करते हुए उनके भारतीय सिनेमा में योगदान पर प्रकाश डाला था। इस एपिसोड में पार्श्वगायिका श्रेया घोषाल, विशाल ददलानी और रैपर बादशाह भी शामिल हुए थे। सभी ने हिंदी सिने जगत के ग्रेट शो मैन को भावभीनी श्रद्धांजलि दी थी। इस शो से पहले करिश्मा कपूर ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की तस्वीरों को साझा किया था। राज कपूर की 100वीं जयंती समारोह में पीएम मोदी को आमंत्रित करने के लिए वह कपूर परिवार के साथ पहुंची थीं।

बैसाखियों के सहारे चलती थीं

कंगना ने इंदिरा गाँधी को बताया सबसे कमजोर महिला

हाल ही में अपने एक साक्षात्कार में उन्होंने इंदिरा गांधी को लेकर जो कुछ कहा है वह आने वाले समय में विवाद पैदा कर सकता है। हिमाचल प्रदेश के मंडी से पहली बार लोकसभा सदस्य कंगना अक्सर विवादास्पद बयानों के लिए सुर्खियों में रहती हैं। उन्होंने कहा, वह पूर्व प्रधानमंत्री को बहुत मजबूत महिला मानती थीं, लेकिन गहन अध्ययन के बाद अब उनका मानना है कि वह ''कमजोर'' थीं और ''उन्हें खुद पर यकीन नहीं'' था। इंदिरा गांधी के आसपास बहुत सी बैसाखियां थीं रनौत ने कहा, जब तक मैंने इस फिल्म पर काम शुरू नहीं किया था, तब तक मैं इंदिरा गांधी को बहुत मजबूत मानती थीं लेकिन जब मैंने अध्ययन किया तो मुझे समझ में आया कि वह इसके बिल्कुल विपरीत थीं। इससे मेरा यह विश्वास और मजबूत हुआ कि आप जितने कमजोर होते हैं, उतना ही अधिक नियंत्रण आप चाहते हैं। वह एक बहुत कमजोर व्यक्ति थीं। उन्हें खुद पर यकीन नहीं था और वह वास्तव में कमजोर थीं। उन्होंने कहा, उनके आसपास बहुत सी बैसाखियां थीं और वह लगातार किसी न किसी तरह खुद को सही ठहराना चाहती थीं। वह कई लोगों पर बहुत अधिक निर्भर थीं, उनमें से एक संजय गांधी भी थे। उन्होंने यह भी कहा कि आज कोई भी डायरेक्टर उनके लायक नहीं है। कंगना रनौत ने चर्चित फिल्म इमरजेंसी की रिलीज से पहले 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक इंटरव्यू में कहा, मैं बहुत गर्व के साथ कह रही हूं कि आज फिल्म उद्योग में एक भी ऐसा डायरेक्टर नहीं है, जिसके साथ मैं काम करना चाहूं, क्योंकि उनमें वो बात ही नहीं है. . . .कि मैं उनके साथ काम करने के लिए राजी हो सकूं।''

नेगेटिव किरदार नए प्रयोग करने की स्वतंत्रता देते हैं: रेवा

टीवी शो 'दीवानियत' में अलीशा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री रेवा कौरसे ने बताया कि नकारात्मक भूमिकाएं आपको प्रयोग करने की स्वतंत्रता देती हैं, जो आमतौर पर सकारात्मक किरदारों में नहीं होती। रेवा ने कहा, एक कलाकार के तौर पर अलीशा का किरदार निभाना मेरे लिए एक रोमांचक अनुभव रहा है। वह कई परतों वाली एक जटिल भूमिका है और उसके डार्क पक्ष को तलाशना चुनौतीपूर्ण और फायदेमंद दोनों रहा। अभिनेत्री ने कहा, नकारात्मक भूमिकाएं आपको भावनाओं के साथ प्रयोग करने की स्वतंत्रता देती हैं, जो आमतौर पर सकारात्मक किरदारों में नहीं होती। बता दें, दीवानियत की मौजूदा कहानी में रेवा अलीशा का किरदार निभा रही हैं। धारावाहिक को काफी पसंद किया जा रहा है।

श्रद्धा कपूर ने फैंस को दिखाई अपने नए हेयरस्टाइल की झलक

दिग्गज एक्टर शक्ति कपूर की बेटी एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर पिछले साल ब्लॉकबस्टर फिल्म 'स्त्री 2' में नजर आई थीं। स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज हुई इस फिल्म ने सफलता के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। इसके बाद से श्रद्धा की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा देखने को मिला।

सोशल मीडिया पर उनके चाहने वालों की बेकरारी बढ़ गई। वे हमेशा उनकी पोस्ट का इंतजार करते रहते हैं। इस बीच श्रद्धा ने फैंस को अपने नए हेयरस्टाइल की झलक दिखाई है। उन्होंने जो फोटो शेयर की है, उसमें वह किसी गुड़िया जैसी नजर आ रही हैं। श्रद्धा ने अपने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें साझा की हैं। पहली तस्वीर में श्रद्धा अपने नए बाल कटवाने के बाद सैलून में मिरर सेल्फी तो दूसरी तस्वीर में लिफ्ट में सेल्फी लेती नजर आईं। श्रद्धा डेनिम शर्ट के साथ नीले रंग की पैंट पहने दिखीं। फोटो में एक्ट्रेस ने पोस्ट के साथ एक खूबसूरत कैप्शन भी लिखा, बाल बाल जच गई।

-साभार एजेंसी